RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः61, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

स्केटिंग के सहारे मेहसी से मुंबई तक 2000 किमी का सफर, पांच युवाओं की दिलेरी बनी चर्चा ... 03

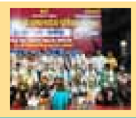
ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन के महाधिवेशन में नई केंद्रीय कमिटी का गठन... 04

तय तारीख से पहले रिलीज होगी है जवानी तो इश्क होना है? 22 मई ... 07

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी ने बंगाल के 5000 करोड़ रुपए कर दिए गायब

- पश्चिम बंगाल के बीरभूम में गृह मंत्री अमित शाह ने लगाया आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा कि ममता दीदी कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। उन्हें शर्म आनी चाहिए। हमारी सरकार आएगी तो बच्चियां रात 1 बजे भी बाहर निकल पाएंगी। टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कैश फॉर क्वेरी, 26 हजार शिक्षकों की भर्ती, गाय तस्करी और पीएम आवास में टीएमसी ने घोटाले किए। इन घोटालों में बंगाल की जनता के 5000 करोड़ रुपए गायब हो गए। हमारी सरकार बनते ही हम टीएमसी से पाई-पाई का हिसाब लेंगे। यूसीसी (समान नागरिक संहिता) पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम बंगाल में यूसीसी लाएंगे।

गुंडों व माफिया को चुन- चुन कर जेल में डालेंगे- लोगों से बेखौफ मतदान करने की अपील करते हुए शाह ने कहा कि 23 मई को ममता का कोई भी गुंडा आपका बाल बांका नहीं कर पाएगा। टीएमसी के किसी भी गुंडे से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। भाजपा सरकार बनते ही टीएमसी के गुंडों व माफिया को चुन- चुन कर जेल में डालेंगे। शाह ने कहा कि यह चुनाव घुसपैठियों को निकालने का चुनाव है। उन्होंने पूछा कि क्या ममता बनर्जी और उनका भतीजा ऐसा कर सकती है।

बिहार में कल से होगी नए युग की शुरुआत!

- 15 अप्रैल को नई सरकार का होगा शपथ ग्रहण समारोह

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। राज्य में नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जारी सस्पेंस अब अंतिम पड़ाव पर है। मिली जानकारी के अनुसार, बिहार की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे लोकभवन में आयोजित किया जाएगा। हालांकि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका अभी फैसला नहीं हुआ है। लेकिन शपथ ग्रहण की तारीख पक्की हो गई है। बिहार में कल यानी मंगलवार 14 अप्रैल को दोपहर तक बैठकों का दौर चलेगी। मिली जानकारी के मुताबिक, सुबह से ही बैठकों का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जिसमें सत्ता परिवर्तन की औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा। सुबह 10 बजे बिहार कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कुछ बड़े फैसले लिए जाएंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे मंत्रिमंडल सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक के फैसलों की जानकारी दी जा रही है। माना जा रहा है कि इसी में बड़े फैसलों का ऐलान हो सकता है। बीजेपी विधायक दल की दोपहर 2 बजे अहम बैठक होगी।

अब होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी करेगा अमरीका

- *ट्रम्प बोले-ईरान की नौसेना खत्म, 158 जहाज तबाह* • *दुनिया में कच्चे तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर पार*

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर नाकेबंदी लागू करने जा रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे से ईरान के बंदरगाहों की ओर आने-जाने वाले जहाजों को रोक लगानी शुरू कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नाकेबंदी का मकसद ईरान की तेल बिक्री रोकना है। ट्रम्प के मुताबिक, कई अन्य देश भी इस प्रयास में अमेरिका का साथ दे रहे हैं। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान हुआ है और उसकी नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि 158 जहाज तबाह किए जा चुके हैं। नाकेबंदी के ऐलान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है।

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 104 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से फैसला होगा।

दक्षिण लेबनान में इजराइली सेना का ग्राउंड ऑपरेशन शुरू

इजराइल की सेना ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिण लेबनान के बिन्त जबील इलाके में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सेना के मुताबिक, यह खास टारगेट्स को निशाना बनाकर हमला किया जा रहा है। वहीं, ईरान और पाकिस्तान का कहना है कि पिछले हफ्ते जो अस्थायी सीजफायर हुआ था, उसमें लेबनान भी शामिल है। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस दावे को खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि लेबनान में कोई सीजफायर नहीं है और इजराइल हिजबुल्लाह पर पूरी ताकत से हमला जारी रखेगा। ईरान से जुड़े दो तेल टैंकर अमेरिका की संभावित नाकाबंदी से पहले फारस की खाड़ी से बाहर निकल गए हैं। ये दोनों जहाज होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते बाहर निकेल। रिपोर्टस के मुताबिक, ऑरोरा नाम का टैंकर ईरान के ऑयल प्रोडक्ट लेकर जा रहा था। वहीं न्यू फ्यूचर नाम का दूसरा टैंकर डीजल लेकर जा रहा है। अमेरिका ईरान के बंदरगाहों और समुद्री इलाकों पर नाकाबंदी करने की तैयारी कर रहा है।

- छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता

मुठभेड़ में 5 लाख की ईनामी महिला नक्सली कमांडर रूपी ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में एक महिला नक्सली मारी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मारी गई नक्सली की पहचान माओवादी एरिया कमांडर रूपी के रूप में हुई है, जिसपर 5 लाख रुपये का इनाम था। प्रतापपुर क्षेत्र समिति की सदस्य थी। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि, गोलीबारी की यह घटना सुबह के समय में छोटे बेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक जंगली इलाके में हुई। जब सुरक्षाकर्मियों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली हुई थी। उन्होंने आगे कहा, अब तक, घटनास्थल से एक महिला नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किया गया है। इसके अलावा इलाके में अभी भी अभियान जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

नोएडा में बेकाबू हुए कर्मचारी सड़क पर काटा भारी बवाल

- पुलिस की जीप समेत 5 गाड़ियों में कर दिया आग के हवाले • वेतन बढ़ाने की मांग पर अड़े हजारों श्रमिक, हाई अलर्ट जारी

नई दिल्ली/नोएडा (एजेंसी)। नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में श्रमिकों का उग्र प्रदर्शन अब कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। सोमवार सुबह शुरू हुआ उग्र प्रदर्शन दिन चढ़ने के साथ ही उग्र होता चला गया। देखते ही देखते वेतन बढ़ोतरी से लेकर अन्य मांगों के लिए सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की दो गाड़ियों समेत पांच वाहनों को आग के हवाले कर दिया। कई जगहों पर पत्थरबाजी की भी खबर है। इसी क्रम में अब दिल्ली पुलिस भी आशंका देखते हुए अलर्ट मोड में आ गई है। इसी बीच सीएम योगी ने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए समाधान के निर्देश दिए हैं।

- **जो कंपनी खुली मिली, वहां किया हमला-** इस बीच नोएडा के फेस टू के हाजरी कंपलेक्स में जो भी फैक्ट्री आज खुली दिखी या संचालित मिली, उसमें तोड़फोड़ की गई। श्रमिकों के पीछे छुपे अराजक तत्वों ने ऐसी कंपनियों में घुसकर उत्पात मचाते हुए संपत्ति को क्षति पहुंचाया। इस बीच भाजपा नेता संजय बाली की फैक्ट्री भी चलती देख, श्रमिक उसमें अंदर घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से बड़ी संख्या में मजदूर लंबे समय से लंबित वेतन संशोधन की मांग लेकर इकट्ठा हुए।

दो संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहा है आम मतदाता

- बंगाल एसआईआर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दो टूक कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों पर तब तक अदालत कोई दखल नहीं देगी, जब तक की हार-जीत का अंतर मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन के दौरान बाहर किए गए लोगों की संख्या से कम न हो।

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने इसके साथ ही यह भी कहा कि बंगाल के मतदाता दो संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। सीजेआई सूर्यकांत के साथ पीठ में बैठे जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता अब अलग-अलग संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं।

सही तरीके से ही लक्ष्य साधा जाना चाहिए

बार एंड बेंच के मुताबिक, जस्टिस बागची ने कहा, यहां बात यह नहीं है कि लक्ष्य साधने के लिए कोई भी तरीका सही है, बल्कि यह है कि सही तरीके से ही लक्ष्य साधा जाना चाहिए। यह राज्य और चुनाव आयोग के बीच की लड़ाई नहीं है। यह एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का खेल नहीं है। यह तो उस मतदाता की स्थिति के बारे में है जो दो संवैधानिक संस्थाओं के बीच फंसा हुआ है।

हार जीत का अंतर तय करेगा चुनावी नतीजों पर दखल

इसी बीच, जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि तब तक चुनाव नतीजों में दखल नहीं दिया जा सकता, जब तक की हार का अंतर एसआईआर में बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या से ज्यादा न हो। उन्होंने आगे कहा, अगर 10 फीसदी लोग वोट नहीं डालते हैं और जीत का अंतर 10 फीसदी से ज़्यादा है, तो चिंता की बात नहीं है लेकिन अगर यह अंतर 5 फीसदी से कम है, तो हमें इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। पहले अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष किसी उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाती थी, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह न सोचें कि हमारे मन में यह सवाल नहीं है।

'अमंगलकारी' सोमवार, तीन हादसों में 24 की मौत

- महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10.45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुर्बाड जा रही वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लगा था। कल्याण से मुरबाड के बीच चलती थी वैन वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इस दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे मिक्सर से भिड़ा।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

- राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे, 4 घायलों की हालत गंभीर

सुरेंद्रनगर (एजेंसी)। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात करीब 1.30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे हादसा हो गया।

मोदी महिलाओं से बोले-गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूं

- कहा-हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है। उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।

महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।' स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है।

3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी

3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। 'भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है।' 'महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है।' '2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था। एक सुर में यह बात भी उठी थी कि इसे हर हाल में 2029 तक लागू हो जाना चाहिए।' देश की महिलाएं अपने सांसदों से मिलें अपना पक्ष रखें अपेक्षाएं बताएं, जिस दिन वे सदन में आने के लिए निकलें तो फूल माला देकर उन्हें विदाई दीजिए, ताकि जब सांसद माता-बहनों का आशीर्वाद लेकर निकलेंगे न तो दूसरा निर्णय कर ही नहीं सकेंगे।

संसद में 16 अप्रैल से विशेष सत्र भी होगा

महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को संसद का एक सत्र बुलाया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने महिलाओं के लिए आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन (सीमांकन) से जोड़ दिया था। जनगणना में हुई देरी के चलते, अब 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही आगे बढ़ने की योजना है। संशोधन के बाद लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है।

दूल्हे के पिता समेत 6 बारातियों की मौत

- हापुड़ में बस को टक्कर मारकर उसी पर पलटा ट्रक; 3 दिन बाद बेटी की शादी थी

हापुड़ (एजेंसी)। यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौके पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के डासना से बुलंदशहर के गुलावठी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शादी के बाद वापस लौटते वक्त बस रोड किनारे खड़ी थी। रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया। भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। चीख-पुकार मच गई।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में 17 वर्षीय आर्यन को गोली मारी, दो महीने पुरानी टक्कर का विवाद, घुटनों में लगी 2 बुलेट, आरोपी फरार

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के गर्दनिया चौक के पास सोमवार दोपहर एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के गर्दनिया चौक निवासी अनिल राय के 17 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। आर्यन कुमार ने पुलिस को बताया कि करीब दो महीने पहले सोनपुर जाते समय उसकी मोटरसाइकिल एक काली स्कॉर्पियो से टकरा गई थी। इस बात को लेकर गाली-गलौज हुई थी। आर्यन के अनुसार, उसे इंस्टाग्राम के जरिए पता चला कि औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी उसके दोस्त कृष कुमार का बड़ा भाई राहुल कुमार उस स्कॉर्पियो में था। सोमवार दोपहर जब आर्यन अपने घर से जढुआ जा रहा था, तभी उसके घर से थोड़ी दूर पर एक काली स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो युवक मिले। इनमें औद्योगिक थाना क्षेत्र के पासवान चौक, चाणक्य कॉलोनी निवासी आदर्श कुमार और सुल्तानपुर निवासी राहुल कुमार शामिल थे। युवकों ने आर्यन को बाइक पर बैठने को कहा। जब आर्यन ने मना किया, तो उन्होंने उस पर दो गोलियां चलाईं। दोनों गोलियां आर्यन के दोनों पैरों के घुटनों में लगीं, जिससे वह वहीं बेहोश होकर गिर गया। हमलावर मौके से फरार हो गए।

खड़गपुर अग्निकांड, डीपी यादव ने पीड़ितों को दी आर्थिक मदद, सरकारी सहायता और पक्के आवास की मांग

हाजीपुर। वैशाली के देसरी प्रखंड के खड़गपुर वार्ड संख्या 13 में हाल ही में भीषण अग्निकांड हुआ। इस घटना में 12 परिवारों के घर और उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और अब तक उन्हें प्रशासनिक स्तर से कोई ठोस मदद नहीं मिली है। सोमवार को भीखनपुरा गांव निवासी रेलवे यूनियन नेता और टीटी संघ के जोनल अध्यक्ष देवेंद्र यादव उर्फ डीपी यादव पीड़ितों से मिलने पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का दौरा कर घटना की विस्तृत जानकारी ली और प्रत्येक पीड़ित परिवार की समस्याओं को सुना। डीपी यादव ने तुरंत अपने स्तर पर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने घर बनाने के लिए करकट (टीन, लकड़ी, कील, छप्पर आदि) खरीदने हेतु नकद राशि दी। यह सहायता ऐसे समय में पीड़ितों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। इस दौरान डीपी यादव ने स्थानीय प्रशासन से कड़ी मांग की कि पीड़ित परिवारों को यथाशीघ्र सरकारी सहायता राशि जारी की जाए और उन्हें पक्के आवास उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि आग से सब कुछ खत्म हो गया है और बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं रात में खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर हैं। प्रशासन को तुरंत राहत सामग्री और आवास मुहैया कराने चाहिए। डीपी यादव ने समाज के अन्य लोगों से भी अपील की कि ऐसी विपदा की घड़ी में हर व्यक्ति को आगे आकर पीड़ितों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सामूहिक प्रयासों से ही पीड़ित परिवार जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लौट सकते हैं। इस अवसर पर लोजपा नेता अजय पासवान सहित अन्य गणमान्य लोग और स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित थे। पीड़ितों ने डीपी यादव द्वारा की गई सहायता की सराहना की और सरकार तथा प्रशासन से भी ऐसी ही त्वरित कार्रवाई की गुहार लगाई है। वर्तमान में पीड़ित परिवार तिरपाल और खंडहर में शरण लिए हुए हैं।

हाजीपुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, ईमेल के बाद पुलिस अलर्ट, सुरक्षा बढ़ाई गई

हाजीपुर। हाजीपुर व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है जिसके बाद प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई है। आनन फानन में एसपी विक्रम सिहाग के निर्देश पर सदर एसडीपीओ दलबल के साथ कोर्ट पहुंचे और पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है वहीं मुजफ्फरपुर से बम निरोधक दस्ता को भी बुलाया जा रहा है। अफरा तफरी के बीच एसडीपीओ सदर सुबोध कुमार ने बताया कि न्यायालय के ईमेल पर अज्ञात ईमेल से मेल आया है जिसमें कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।वहीं एहतियात के तौर पर कोर्ट में इंट्री बंद कर दी गई है और किसी को भी कोर्ट में प्रवेश की अनुमति नहीं है। जिला जज हर्षित सिंह के ईमेल पर कोर्ट उड़ने की धमकी मिली है। वहीं पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है। कोर्ट के अंदर से अधिवक्ताओं के साथ साथ आम लोगों और दुकानदारों को भी कोर्ट परिसर से बाहर किया जा रहा है ताकि अच्छे से बम निरोधक दस्ता द्वारा जांच की जा सके। वहीं कोर्ट परिसर के साथ साथ आस पास के क्षेत्र की भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और आस पास स्थित सभी सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ साथ लोगो की आवाजाही पर पुर्णतः रोक लगाया गया है। बहरहाल इस खबर के सामने आने के बाद से पुलिस प्रशासन चौकन्ना है और सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

वन विभाग की कार्रवाई पर काष्ठ शिल्पियों में नाराजगी, समिति ने अवैध जब्ती और पेड़ उखाड़ने का आरोप लगाया

हाजीपुर। वैशाली जिले में विश्वकर्मा काष्ठ शिल्पी विकास समिति की एक बैठक बभनी मठ राजापाकर में जयप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में वन विभाग की कथित अवैध कार्रवाइयों के खिलाफ गहरा रोष व्यक्त किया गया। समिति ने आरा मिलों की जब्ती और पेड़ों को मनमाने ढंग से उखाड़ने का आरोप लगाया। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा आरा मिलों को जब्त किया जा रहा है, लेकिन जब्ती सूची नहीं दी जा रही है। इसके साथ ही, पेड़ों को भी मनमाने ढंग से उखाड़ा जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि वन विभाग कानून का पालन नहीं कर रहा है, जिससे काष्ठ शिल्पियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य वक्ता और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की एसएलसी समिति के सदस्य राम भरोस शर्मा ने विभागीय पत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन गैर-कानूनी कार्रवाइयों के खिलाफ राज्यस्तरीय वन मंत्री के समक्ष प्रदर्शन करने के लिए सभी को संगठित होना चाहिए। संगठन के प्रदेश महासचिव एवं मुख्य अतिथि शिव प्रसन्न ठाकुर ने जिला स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने जिला संगठन को मजबूत करने और एक जिला सम्मेलन आयोजित करने का आह्वान किया। यह भी निर्णय लिया गया कि जिला सम्मेलन से पहले प्रखंडों का दौरा किया जाएगा और वहां बैठकें/सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। बैठक को मुकेश शर्मा, पंकज शर्मा, पूर्व मुखिया मोहन साह, जिला सचिव सुशील शर्मा, रामनाथ शर्मा, इंद्र शर्मा, मनोज शर्मा, गुड्डू शर्मा और संजय शर्मा सहित कई अन्य सदस्यों ने संबोधित किया। समिति ने 14 जून, 2026 को जिला सम्मेलन आयोजित करने का फैसला किया है।

नंबर प्लेट से कार के ठिकाने पर पहुंची पुलिस, एक गिरफ्तार

♦ 30 लाख के गहने-कैश चुराने वाले की 2 दिन की रेकी, जेल में रची थी घटना की साजिश

एजेंसी, पटना

पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी जीडी मिश्रा पथ स्थित रहमान एन्क्लेव अपार्टमेंट के फ्लैट नम्बर 201 और 202 में चोरी हुई थी। चोरों ने करीब 30 लाख रुपए के गहने समेत कैश उड़ा दिए थे। इस मामले में पटना पुलिस ने जुनैद उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है। इसकी निशानदेही पर 2 देसी पिस्टल, 7.65MM के 8 जिंदा कारतूस समेत सोने-चांदी के गहने बरामद किए हैं। एसडीपीओ लॉ एंड ऑर्डर 2 दिव्यांजलि जायसवाल ने बताया, आरोपी जुनैद उर्फ बाबा को जक्कनपुर इलाके से अरेस्ट किया गया है। जुनैद मूल रूप से छबीलापुर का रहने वाला है। पटना के जक्कनपुर इलाके में रेंट के मकान में रहकर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहा था।

जुनैद का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास रहा है: डायल 100 पुलिस टीम की मदद से उसे पकड़ा गया है। इसका लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास भी मिला है। पटना के राजीव नगर, शास्त्री नगर, गर्दनीबाग, जक्कनपुर, पाटलिपुत्र के अलावा सारण के दरियापुर में भी चोरी लूट और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं।

कैश के साथ कई कंपनीयों की घड़ी मिली: इसके पास से 30,976 कैश, रोलेक्स घड़ी, एप्पल घड़ी, बोट, फास्ट्रेक और दूसरी कंपनी की लगभग 17 घड़ियां बरामद की गई है। इसके अलावा चोरी की बाइक, लॉक तोड़ने और खोलने वाले वाले इक्विपमेंट्स बरामद किए गए हैं।

बाइक नंबर प्लेट से हुई पहचान: डायल 100 के जरिए बाइक नंबर प्लेट से आरोपियों का पीछा करते पुलिस जक्कनपुर इलाके के खास महल पहुंची। वहां दो-तीन दिनों तक थानेदार अतुलेश कुमार और विशाल कुमार दारोगा ने पहले रेकी की। उसके बाद आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के कमरे की जब तलाशी ली गई तो चोरी के समान और हथियार मिले। इस घटना में 3 आरोपी शामिल थे, जिसमें से दो फिलहाल फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। जुनैद ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि जेल में ही इन दोनों से मुलाकात हुई थी और इस दौरान चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए पूरी प्लानिंग की थी। बाहर आते तीनों ने सबसे पहले पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित फ्लैट को निशाना बनाया और लाखों रुपए के गहने और कैश चोरी कर लिए।

बिहार कांग्रेस हर हफ्ते उठाएगा जनहित के मुद्दे

एजेंसी, पटना

❐ सरकार से महिला अपराध, घोटाले-शिक्षा-चिकित्सा पर करेगी सवाल

बिहार कांग्रेस अब राज्य से जुड़े गंभीर मुद्दों को जनता के सामने लेकर आएगी। इसे लेकर कांग्रेस "प्रेस से मिलिए" संवाद कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रही है। इसे लेकर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने सभी जिलाध्यक्षों को लेटर भेजा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हर सप्ताह राज्य के विभिन्न जिलों से जुड़े जनहित की गंभीर समस्याओं जैसे लूट, बलात्कार, घोटाले, शिक्षा, चिकित्सा, किसानी, मजदूरी से जुड़ी समस्याएं और अन्य अमानवीय घटनाएं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

हर हफ्ते अपने जिले के गंभीर विषयों को बताना होगा: इसके तहत सभी जिलाध्यक्षों को हर हफ्ते अपने जिले के गंभीर विषयों का चयन कर प्रदेश अध्यक्ष कार्यालय को अपडेट देना होगा। उन्हें जिलों से जुड़े जनहित की गंभीर समस्याओं के बारे में भेजना है।

प्रदेश कांग्रेस को भेजी गई प्रमाणिक सूचना के आधार पर प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रेस वार्ता आयोजित की जायेगी। इसमें अध्यक्ष के साथ पार्टी प्रवक्ता, संबंधित जिले के जिला कांग्रेस अध्यक्ष और प्रदेश पर्यवेक्षक शामिल रहेंगे।

जनहित के मुद्दे उठाकर कांग्रेस संगठन मजबूत करने पर जोर: राजेश राम ने कहा कि, 'मुझे न केवल आशा है, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि जनहित के इन मुद्दों को गंभीरता से उठाकर हम प्रदेश में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय बनाएंगे। इसलिए आप सभी से आग्रह है कि इसी तर्ज पर अपने-अपने जिलों में भी प्रत्येक सप्ताह "प्रेस से मिलिए" कार्यक्रम आयोजित करें और स्थानीय जन-मुद्दों को प्रखरता से उठाएं।

सम्राट चौधरी को सीएम बनाने की मांग, शीतला मंदिर में किया विशेष हवन-पूजन

♦ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता हुए शामिल

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के प्रसिद्ध शीतला मंदिर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने सम्राट चौधरी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन संपन्न कराया। हवन के दौरान भगवान से प्रार्थना की गई कि सम्राट चौधरी को बिहार का नेतृत्व करने का अवसर मिले और राज्य में विकास की नई दिशा स्थापित हो।

यह हवन आस्था और विश्वास का प्रतीक-बीजेपी कार्यकर्ता: आयोजन में शामिल लोगों ने सम्राट चौधरी को एक सक्षम और जनप्रिय नेता बताया, जिनके नेतृत्व में बिहार तेजी से प्रगति कर सकता है। इस अवसर पर कई स्थानीय नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कहा कि यह हवन किसी राजनीतिक प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का प्रतीक है।

मंदिर परिसर में उत्सव जैसा माहौल: मंदिर परिसर को फूलों और सजावट से विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बन गया। श्रद्धालुओं ने पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण किया और सम्राट चौधरी के समर्थन में नारे भी लगाए। हालांकि, विपक्षी दलों ने इस आयोजन को राजनीतिक स्टंट बताया है और कहा है कि विकास कार्यों पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

विपक्ष ने बताया 'राजनीतिक स्टंट': यह आयोजन स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है और राजनीतिक गलियारों में भी इसकी गूंज सुनाई दे रही है। आने वाले समय में इसका राजनीतिक असर कितना होगा, यह देखना बाकी है, लेकिन ऐसे आयोजन बिहार की राजनीति में जनभावनाओं की झलक जरूर दिखाते हैं।

बहू को इंसाफ दिलाने के लिए भटक रही सास, दबंग पड़ोसियों पर हत्या का आरोप

♦ महिला बोली- वारंट निकलने पर भी गिरफ्तारी नहीं, आईजी दफ्तर पहुंची

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना अंतर्गत बैरिया की रहने वाली सुनयना देवी अपनी बहू मृतक शोभा देवी को इंसाफ दिलाने के लिए अधिकारियों के दफ्तर का चक्कर लगा रही है। सोमवार को पटना जोनल आईजी के दफ्तर में इंसाफ की गुहार लगाने पहुंची थी। सुनयना देवी के मुताबिक पड़ोस के दबंगों ने घर में नशे के हालत में घुसकर 4 अप्रैल 2023 को मारपीट की थी। जिसमें उनकी बहू शोभा देवी और सुनयना गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

साल 2023 में हुई थी बहू की मौत: इलाज के दौरान शोभा देवी की मौत 9 अप्रैल 2023 को हो गई थी। इसके बाद गोपालपुर थाने में लिखित शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज किया। रसूखदार होने के चलते कार्रवाई नहीं हुई। मामला अब न्यायालय में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से नॉन बेलेबल वारंट इश्यू किया है। बावजूद इसके गोपालपुर थाने की पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उल्टे आरोपियों को संरक्षण दिया जा रहा है। सुनयना देवी का कहना है कि इस कांड में शामिल आरोपी सुलह का दबाव बनाने के लिए डरा धमका रहे हैं।

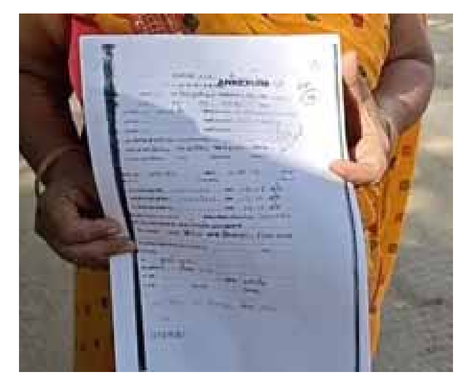

2 दिन पहले पूर्वी एसपी से मिली थी पीड़िता: पीड़िता ने 2 दिन पहले पूर्वी एसपी से मुलाकात करके अपनी बात रखी थी। SP द्वारा थाने पर भेजा गया। वहां जब परिजन मिलने गए तो थानेदार ने परिजनों को उल्टा हड़का दिया।

अब परिजन और पीड़िता ने पटना आईजी से मदद की गुहार लगाई है। परिजन को आशंका है कि उनके साथ भी कभी भी मारपीट की जा सकती है। पूर्व से भी इन आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। एक अन्य दूसरे मामले में भी इन आरोपियों के खिलाफ कुर्की निकली हुई है।

'लैंड फॉर जॉब' घोटाला मामले में लालू यादव की याचिका खारिज

एजेंसी, पटना

लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज FIR और उससे जुड़े ट्रायल को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह फैसला जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने सुनाया। हालांकि, अदालत ने लालू प्रसाद यादव को आंशिक राहत देते हुए कहा कि उन्हें ट्रायल की कार्रवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट के सामने व्यक्तिगत पेश होने की ज़रूरत नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर फैसला लेने का अधिकार ट्रायल कोर्ट के पास रहेगा। यानी, अब निचली अदालत इस पूरे मामले की मेरिट पर सुनवाई करते हुए आगे की कार्रवाई करेगी।

9 जनवरी 2026 को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार के पूर्व CM लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजप्रताप, तेजस्वी यादव और बेटी मीसा, हेमा पर आरोप तय किए। लालू परिवार के साथ कुल 41 लोगों पर आरोप तय किया। इन लोगों पर अब मुकदमा चल रहा है।

कोर्ट ने 52 लोगों को बरी किया था। सुनवाई को लेकर लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती और बेटे तेजप्रताप-तेजस्वी दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे थे। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) द्वारा दर्ज किया गया है।

छात्र राजद की रीब्रांडिंग, नया नाम और लोगो लांच

♦ कैंपस राजनीति में पकड़ मजबूत करने की रणनीति, तेजस्वी अपनी नई टीम के साथ बढ़ेंगे आगे

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की स्थापना (5 जुलाई 1997) के लगभग तीन दशक बाद पार्टी अपने छात्र संगठन में बड़ा बदलाव करने जा रही है। सोमवार को छात्र राजद का नाम बदल दिया गया। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने दोपहर 1 बजे पार्टी कार्यालय में नए नाम की घोषणा की। साथ ही नए Logo का भी अनावरण किया। तेजस्वी यादव ने कहा हमने छात्र राजद (CRJD), जो कि राजद का छात्र संगठन था, उसे भंग कर दिया है।

हमने अपनी पार्टी के नए छात्र संगठन का नाम 'सोशलिस्ट स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' रखा है। बिहार में जो भी मुख्यमंत्री बनेगा, उसके पास बिहार की जनता का जनादेश नहीं होगा। अब बिहार की सरकार गुजरात से संचालित होगी। जेडीयू अब बीजेपी का एक संगठन बन चुकी है। आप देखेंगे कि दो महीने बाद कोई भी नीतीश कुमार की परवाह नहीं करेगा।

छात्र राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है राजद: यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब पार्टी छात्र राजनीति में अपनी पकड़ को और मजबूत करना चाहती है। इससे पहले लालू यादव ने 6 मार्च को छात्र राजद की बिहार इकाई को भंग कर दिया था। इसके बाद से छात्र राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नवल किशोर यादव नए नाम और लोगो को अंतिम रूप देने में जुटे थे। रविवार को लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने इस पर अंतिम मुहर लगा दी।

कैंपस में दबदबा बढ़ाने की तैयारी: राजद की रणनीति साफ है कि वह भी अन्य राजनीतिक दलों की तरह विश्वविद्यालय परिसरों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी, सीपीआई के एआईएसएफ, सीपीएम के एसएफआई और माले के आईसा की तरह राजद भी अपने छात्र संगठन को सक्रिय और प्रभावी बनाना चाहता है। इसके जरिए पार्टी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और अन्य हिंदी भाषी राज्यों में अपने संगठन का विस्तार करना चाहती है।

MY समीकरण से आगे बढ़ने की कोशिश: राजद अब अपने पारंपरिक MY (मुस्लिम-यादव) वोट बैंक से आगे बढ़कर अन्य वर्गों को भी जोड़ने की कोशिश में है। पार्टी का मानना है कि छात्र संगठन के जरिए नए सामाजिक समूहों को जोड़ा जा सकता है और भविष्य के नए नेतृत्व को तैयार किया जा सकता है।

तेजस्वी की नई टीम, तेजप्रताप का असर खत्म: वर्ष 2011 से 2025 तक छात्र राजद की कमान अनौपचारिक रूप से लालू प्रसाद के बड़े बेटे Tej Pratap Yadav के हाथों में रही। इस दौरान छात्र संगठन में उनका वर्चस्व बना रहा और कोई हस्तक्षेप नहीं कर पाता था। इसी मुद्दे को लेकर उनकी तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से तनातनी भी हुई थी।

रिंग रोड से घिरेगा पटना, बिना ब्रेक 6 लेन पर 80 की रफ्तार

15 हजार करोड़ खर्च से बदलेगी राजधानी की सूरत

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना को जाम से मुक्ति दिलाने और दिल्ली, मुंबई की तरह वर्ल्ड क्लास महानगर बनाने के लिए रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है। 150 km लंबी सड़क नेटवर्क तैयार करने में 15 हजार करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। दिल्ली के रिंग रोड की तर्ज पर इसे बनाया जा रहा है। रेड लाइट नहीं होंगी। मतलब, बार-बार रुकने, ब्रेक लगाने की जरूरत नहीं। गाड़ियां 80km/h की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। हादसे रोकने के लिए एक्सेस कंट्रोल की व्यवस्था होगी। बाहर से आने वाली गाड़ियां पटना शहर में प्रवेश किए बिना वैशाली, सारण, आरा और बक्सर जैसे पड़ोसी जिलों में चली जाएंगी। इससे राजधानी के आसपास नए उपनगर बसेंगे। पटना आना-जाना आसान होगा।

क्या है पटना रिंग रोड?: पटना रिंग रोड राजधानी के चारों तरफ बन रही सड़कों का घेरा है। इसके घेरे में 1350 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र आएगा। प्रधानमंत्री पैकेज और भारतमाला परियोजना का यह प्रोजेक्ट भविष्य में पटना और इसके आसपास के क्षेत्रों के शहरी एवं आर्थिक परिदृश्य को बदलेगा। अब तक 39.16 km लंबाई वाले कन्हौली-रामनगर खंड का निर्माण 984 करोड़ की लागत से पूरा हुआ है। गंगा नदी के उत्तर तरफ पटना रिंग रोड के 37.35 किलोमीटर लंबाई वाले दिघवारा से बिदुपुर एलाइनमेंट की मंजूरी का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है। वहीं, गंगा नदी के दक्षिण तरफ ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण जारी है।

हादसे रोकने के लिए बनेंगे एक्सेस कंट्रोल खंड: 6 लेन रिंग रोड पर हादसे रोकने के लिए एक्सेस कंट्रोल खंड बनाए जाएंगे। मतलब यहां मेन रोड पर जहां चाहें वहां से नहीं आ सकते और न निकल सकते हैं। गाड़ियों के मेन रोड पर आने और बाहर निकलने के लिए खास जगह होंगे। इससे मनमाने तरीके से गाड़ी मेन रोड पर लाना संभव नहीं होगा। अचानक किसी गाड़ी के सामने आने जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। इससे हादसे कम होंगे।

क्या है पटना रिंग रोड का एलाइनमेंट?: रिंग रोड का मुख्य रूट बिहटा के कन्हौली के पास से शुरू होगा। आगे यह नौबतपुर, रामनगर, कच्ची दरगाह, वैशाली के बिदुपुर, हाजीपुर, सोनपुर, सारण के दिघवारा और शेरपुर होते हुए वापस कन्हौली तक आएगा। 12 एनएच और 5 स्टेट हाईवे रिंग रोड से जुड़ेंगे। रिंग रोड की कुल लंबाई लगभग 150 किमी होने वाली है। यह नेटवर्क 170 किमी तक जा सकता है। गंगा नदी पर दो बड़े ब्रिज (कच्ची दरगाह-बिदुपुर और शेरपुर-दिघवारा) भी इसमें आ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनगणना 2027 के लिए प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकान गणना) को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु जिला के सभी प्रखंडों एवं नगर निकायों में नामित प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण सोमवार से प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा।जनगणना 2027 दो चरणों में पूर्ण की जानी है। इसके प्रथम चरण का कार्य 02 मई 2026 से आरंभ होकर 31 मई 2026 तक चलेगा। इस चरण के लिए जिले में कुल 12,616 प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जिन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिला पदाधिकारी -सह-प्रधान जनगणना अधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। साथ ही सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में चल रहे प्रशिक्षण की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। जिला जनगणना कोषांग की ओर से भी तीन अलग-अलग टीमों का गठन कर प्रशिक्षण की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सभी चार्ज क्षेत्रों में मकान सूचीकरण से संबंधित प्रगणक इकाइयों का भौतिक गठन पूर्ण कर लिया गया है। प्रथम चरण के अंतर्गत इन इकाइयों की सीमाओं का निर्धारण, मकानों का क्रमांकन तथा परिवार के मुखिया से जानकारी एकत्र कर डेटा संकलन का कार्य किया जाएगा।उन्होंने यह भी बताया कि जनगणना 2027 की एक विशेषता यह है कि इस बार पूरी प्रक्रिया पेपरलेस होगी और सभी कार्य डिजिटल माध्यम से संपन्न किए जाएंगे।

शराब बेचने के मामले मे बिजुलपुर मिडिल स्कूल के टोला सेवक गया जेल

- बीईओ ने कहा, जेल गए टोला सेवक को निलंबन करने की किया गया है अनुशंसा
- उत्पाद पुलिस ने दर्ज किया है एफआईआर

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां शराब बेचने के आरोप में जेल गए बिजुलपुर मिडिल स्कूल के टोला सेवक मुकेश राम के खिलाफ अब विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार, मुकेश राम के जेल जाने की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया। बीईओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि उत्पाद विभाग द्वारा दर्ज एफआईआर की प्रति उन्हें प्राप्त हुई है। इसमें उल्लेख है कि शराब बिक्री के मामले में उत्पाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकेश राम को 8 अप्रैल को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभी वें जेल मे बंद है। बीईओ ने बताया कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीपीओ को पत्र भेजा गया है, जिसमें टोला सेवक को निलंबित करने की अनुशंसा की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 8 अप्रैल को उत्पाद पुलिस ने बिजुलपुर चौक पर छापेमारी की थी। इस दौरान जयसिंहपुर निवासी भीम साहनी को बाइक पर अवैध चुलाई शराब के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर मुकेश राम को उनके किराना दुकान से गिरफ्तार किया गया। भीम साहनी ने पुलिस को बताया कि उसने शराब मुकेश राम से खरीदी थी।स्थानीय स्तर पर इस मामले को लेकर चर्चा तेज है। एक ओर जहां जहरीली शराब से कई लोगों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर एक सरकारी सेवक का इस तरह अवैध शराब कारोबार में शामिल होना प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। जो इलाके मे चर्चा का विषय बना हुआ है।

पीसीसी सड़क निर्माण में गड़बड़ी का आरोपः निजी जमीन पर ढलाई, डीएम से जांच की मांग

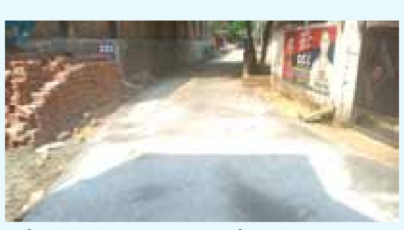

बीएनएम @ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के तुरकौलिया मध्य पंचायत में एबी हॉस्पिटल, बोरिंग चौक के समीप पंचायत समिति सदस्य द्वारा कराए जा रहे पीसीसी सड़क निर्माण में भारी अनियमितता का आरोप लगा है। मामले को लेकर सेनवरिया निवासी लालाबाबू शर्मा ने डीएम, डीडीसी, डीपीआरओ और बीडीओ को आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है सड़क निर्माण प्राक्कलन के अनुरूप नहीं कराया गया और निजी जमीन पर ढलाई कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान प्रखंड तकनीकी सहायक (जेई) मौके पर मौजूद नहीं थे, जबकि अभिकर्ता का भी कोई अता-पता नहीं था। सबसे गंभीर आरोप यह है कि निर्माण स्थल पर योजना से संबंधित कोई शिलापट्ट नहीं लगाया गया, जिससे कार्य की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। साथ ही पीसीसी ढलाई से पहले खड़ी ईंट की सोलिंग की जगह ईंट के टुकड़े बिछाए गए, उसके ऊपर प्लास्टिक डालकर ढलाई कर दी गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वाइब्रेटर मशीन का उपयोग नहीं किया गया और ढलाई की मोटाई भी मानक से कम है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जेई और अभिकर्ता की गैरमौजूदगी में बिचौलियों के माध्यम से निर्माण कार्य कराया गया। इस संबंध में एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल बताया जा रहा है, जिसमें कथित बिचौलिया खुद अपनी देखरेख में निर्माण कराने की बात स्वीकार करता नजर आ रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बीडीओ संतोष राज ने बताया कि आवेदन के आधार पर जांच टीम गठित कर दी गई है, जिसमें बीपीआरओ और दो जेई को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलते ही आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो सरकारी राशि की बंदरबांट पर रोक लगाना मुश्किल होगा। यह मामला पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्केटिंग के सहारे मेहसी से मुंबई तक 2000 किमी का सफर, पांच युवाओं की दिलेरी बनी चर्चा का विषय

» हाजी अली दरगाह तक पहुंचने का लक्ष्य, बिहार से यूपी, मध्य प्रदेश होते हुए मुंबई तक तय करेंगे लंबी दूरी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के मेहसी थाना क्षेत्र के मैन मेहसी गांव एवं मुजफ्फरपुर के पांच युवाओं ने साहस, आस्था और जुनून की अनोखी मिसाल पेश की है। 'पंजतन पाक' का नाम लेकर सोमवार को सुबह करीब 10:00 बजे ये पांचों युवा स्केटिंग के सहारे पैदल मुंबई स्थित हाजी अली दरगाह के लिए रवाना हुए। लगभग 2000 किलोमीटर लंबी इस कठिन यात्रा को लेकर पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। इस साहसिक यात्रा पर निकलने वाले युवाओं में मोहम्मद साजिद (स्केटर) एवं कैफ अली, जो मेहसी (पूर्वी चंपारण) के निवासी हैं, जबकि मोहम्मद काशा अली, अमीनुल हक और तौहीद मुजफ्फरपुर के रहने वाले हैं। इन सभी का लक्ष्य बिहार से निकलकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश होते हुए मुंबई पहुंचना है, जहां वे हाजी अली दरगाह पर हाजिरी देंगे। यात्रा की सबसे खास बात यह है कि पांचों युवा पूरी दूरी स्केटिंग के सहारे तय करेंगे, जो अपने आप में बेहद चुनौतीपूर्ण और प्रेरणादायक पहल है। इस दौरान उन्हें बदलते मौसम, खराब सड़कें, लंबी दूरी और शारीरिक थकान जैसी कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन उनका उत्साह और हौसला मजबूत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की अनोखी पहल क्षेत्र में पहली बार देखने को मिली है। गांव और आसपास के इलाके के लोग युवाओं की हिम्मत और जज्बे की सराहना कर रहे हैं। रवाना होने से पहले बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनकी सुरक्षित यात्रा की कामना की। युवाओं ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से वे युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देना चाहते हैं। उनका कहना है कि अगर इंसान ठान ले, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। पांचों युवाओं ने यह भी अपील की कि अधिक से अधिक युवा स्केटिंग जैसे खेल से जुड़ें और अपने गांव, जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें। उनका उद्देश्य है कि आने वाले समय में ग्रामीण क्षेत्रों से भी प्रतिभाएं उभरें और खेल के क्षेत्र में नई पहचान बनाएं। इन युवाओं की यह साहसिक स्केटिंग यात्रा अब पूरे क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है और लोग उनकी सफलता के लिए दुआ कर रहे हैं।

प्रो. कुमार लक्ष्मीकेश्वर प्रसाद सिंह के निधन पर मुंशी सिंह महाविद्यालय में शोक सभा आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के सेवानिवृत्त सम्मानित वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. कुमार लक्ष्मीकेश्वर प्रसाद सिंह (ललन बाबू) का आकस्मिक निधन दिनांक 12 अप्रैल 2026 को हो गया। उनके निधन की सूचना प्राप्त होते ही महाविद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत आत्मा की शांति एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु महाविद्यालय में 13 अप्रैल 2026 को शोक सभा का आयोजन किया गया। प्रो. सिंह महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष रहे थे। उन्होंने वर्ष 1962 से 1998 तक महाविद्यालय में अपनी सेवाएं प्रदान कीं।मनोविज्ञान के विद्वान प्रो. ललन बाबू ने न केवल शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान दिया, बल्कि विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उनके कार्यकाल में महाविद्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। शोक सभा के दौरान महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक सहित डॉ. शिवशंकर प्रसाद, डॉ. जमुना राम, डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. शफीकुर रहमान, डॉ. अमित कुमार, पवन कुमार, डॉ. रंजू बाला, डॉ. मो. मशहूर अहमद, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. रुपेश कुमार, डॉ. नागेंद्र दास, डॉ. आलोक कुमार पांडेय, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गौरव भारती, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अवनीश कुमार मिश्र, डॉ. खानम आफरीन, डॉ. दद्दन राम, डॉ. नितेश कुमार, डॉ. रूपकथा घोष, डॉ. रत्नेश कुमार, प्रमोद कुमार, सुधीर कुमार राव, शशिभूषण पांडेय, सुनील कुमार, राजेश कुमार, हर्षवर्धन कुमार, गौरव कुमार, सूबेदार प्रदीप द्विवेदी, ओम प्रकाश राय, संतोष कुमार, गुलाब रसूल, श्वेतांशु सहित अन्य शिक्षक एव शिक्षकेतर कर्मी उपस्थित थे। इस संबंध में जानकारी महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती द्वारा दी गई।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु 15 अप्रैल से विद्यालयों का व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में जिले के सभी सरकारी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक व्यापक निरीक्षण एवं अनुश्रवण अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि इस निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके तहत विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों, पठन-पाठन की स्थिति तथा बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का आकलन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, कक्ष, चाहरदीवारी, विद्युत व्यवस्था, पंखा-बल्ब, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, जिम, आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाओं की जांच की जाएगी। साथ ही पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता, मध्याह्न भोजन योजना, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं, लाभुक आधारित योजनाओं का क्रियान्वयन तथा शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की स्थिति का भी मूल्यांकन किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विद्यालयों को उपलब्ध कराई गई राशि के उपयोग एवं क्रय सामग्रियों की गुणवत्ता की भी समीक्षा की जाएगी। निर्देशानुसार, सभी विद्यालय प्रातःकालीन सत्र में सुबह 06:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे। प्रतिनियुक्त निरीक्षण पदाधिकारी निर्धारित समयावधि में विद्यालयों का निरीक्षण कर प्रतिदिन अपराह्न 05:00 बजे तक अपनी रिपोर्ट गोपनीय शाखा में जमा करेंगे। निरीक्षण के दौरान पदाधिकारी विद्यालयों में बच्चों से संवाद स्थापित करेंगे, उनकी पढ़ाई, उपलब्ध सुविधाओं एवं आकांक्षाओं के बारे में जानकारी लेंगे तथा उन्हें प्रेरित भी करेंगे। जिला प्रशासन इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि जिले का प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़ सके और बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त कर सके।

तरबूज पर उकेरी गई अमर सुरों की विरासतः अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने आशा ताई को दी अनोखी श्रद्धांजलि

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय रेत कलाकार मधुरेंद्र कुमार ने सुरों की महान साधिका के निधन की खबर सुनते ही गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें अपनी कला के माध्यम से अनोखी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भावुक क्षण में उन्होंने पारंपरिक सैंड और लीफ आर्ट से हटकर एक अलग और आकर्षक प्रयोग किया—एक तरबूज पर जीवंत चित्रकारी। करीब 10 घंटे की लगातार मेहनत के बाद उन्होंने 5 किलो 900 ग्राम वज़न वाले तरबूज पर आशा ताई की बेहद खूबसूरत और सजीव तस्वीर उकेरी। इस कलाकृति में आशा ताई को संगीत के प्रतीकों—माइक्रोफोन, सितार और सुरों के साथ दर्शाया गया है, जो उनके जीवन और संगीत यात्रा को दर्शाता है। कलाकार ने इस चित्र के ऊपर अंग्रेज़ी में भावनात्मक संदेश लिखा—

"Your Voice Will Live In Our Hearts Forever"

और नीचे "Tribute to Asha Tai" लिखकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। यह संदेश न केवल उनके प्रशंसकों की भावनाओं को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि उनकी आवाज़ हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगी। मधुरेंद्र कुमार ने बताया कि आशा ताई उनके लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं और उनके गीतों ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक कलाकृति नहीं, बल्कि मेरी भावनाओं और सम्मान का प्रतीक है।" आशा ताई के निधन से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति सहित कई बड़ी हस्तियों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। संगीत जगत में उनके योगदान को अमूल्य बताया जा रहा है। दशकों तक अपनी मधुर आवाज़ से लाखों-करोड़ों दिलों पर राज करने वाली इस महान गायिका की कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी। मधुरेंद्र की यह अनोखी कला अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। लोग इस रचनात्मक और भावुक श्रद्धांजलि की जमकर सराहना कर रहे हैं और इसे कलाकार की सच्ची श्रद्धा का प्रतीक बता रहे हैं। यह कलाकृति न केवल कला का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सच्ची श्रद्धांजलि दिल से निकलती है—चाहे वह रेत पर हो या एक साधारण से दिखने वाले तरबूज पर।

एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, तेज़ी से हो रहा वितरण; प्रशासन सतर्क

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य और सुचारू बनी हुई है। 12 अप्रैल 2026 तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न तेल कंपनियों (आईओसीएल, एचपीसीएल एवं बीपीसीएल) के माध्यम से गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिले में कुल 115 गैस एजेंसियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। विगत 01 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक कुल 1,98,733 गैस बुकिंग दर्ज की गई, जबकि 1,74,436 सिलेंडरों की डिलीवरी की जा चुकी है। बुकिंग के अनुरूप तेजी से आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। एक दिन में 17,007 बुकिंग के मुकाबले 16,084 सिलेंडरों का वितरण किया गया। इस दौरान कंपनियों से 4,338 सिलेंडर प्राप्त हुए। वर्तमान में 23,974 सिलेंडर स्टॉक में हैं, जबकि 89,375 सिलेंडरों की मांग लंबित है। जिले के 115 वितरक होम डिलीवरी के माध्यम से उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचा रहे हैं, जिससे व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनी हुई है। होम डिलीवरी नहीं करने वाले 3 गैस एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक गैस बुकिंग न करें और गैस का उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही करें। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06252-242418 पर दें।प्रशासन द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और किसी भी अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहायता या जानकारी के लिए भी उक्त नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने को अलर्ट मोडः मंदिरों पर पैनी नजर

» धर्मगुरु–नाई–हलवाई भी अभियान में शामिल

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। अक्षय तृतीया के अवसर पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम को लेकर रक्सौल प्रशासन और सामाजिक संगठनों ने कमर कस ली है। आगामी 19 अप्रैल को होने वाले विवाह समारोहों को देखते हुए सभी धार्मिक स्थलों, मंदिरों और विवाह स्थलों पर विशेष निगरानी रखने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मनोकामना माई मंदिर, लक्ष्मीपुर रक्सौल में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एसएसबी 47वीं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम, बाल विकास परियोजना कार्यालय तथा प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर, पूर्वी चम्पारण के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी ने की। उन्होंने बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शारीरिक और कानूनी दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस अक्षय तृतीया जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा। अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि धर्मगुरुओं, नाई, हलवाई, टेंट हाउस संचालकों, बैंड-बाजा, डेकोरेटर और मैरेज हॉल संचालकों ने भी बाल विवाह रोकने के लिए खुलकर समर्थन दिया। सभी ने नाबालिग लड़का-लड़की की शादी में किसी भी प्रकार की सेवा नहीं देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बताया गया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह कराना, उसमें सहयोग करना, विवाह संपन्न कराना, सजावट, भोजन, बैंड-बाजा या अन्य सेवाएं देना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में दो साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक जुर्माना हो सकता है। विवाह में शामिल बाराती, अभिभावक, पंडित, मौलवी, कैटरर और अन्य सहयोगी भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आते हैं। लोगों से अपील की गई कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, इमरजेंसी नंबर 112 या प्रयास हेल्पलाइन 9289692023 पर जानकारी दें। मौके पर एसएसबी की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम से सहायक उप निरीक्षक खेमराज, अरविंद द्विवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता, उमेश कुमार श्रीवास्तव, आशीष कुमार, अजय कुमार, बाल विकास परियोजना की सेविकाएं तथा मंदिर के पुजारी लालाबाबू ओझा समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आगामी 15 से 18 अप्रैल तक डीआरडीओ की रक्षा उपकरण मॉडल प्रदर्शनी, तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। आगामी 15 से 18 अप्रैल तक आयोजित होने वाली रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा प्रस्तावित रक्षा उपकरणों की मॉडल प्रदर्शनी की तैयारियों को लेकर सोमवार को जिला अतिथि गृह में सांसद -सह- सभापति, रक्षा संबंधी स्थायी समिति राधामोहन सिंह की अध्यक्षता में डीआरडीओ एवं जिला प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक के उपरांत संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण भी किया गया। प्रदर्शनी के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए बैठक में सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था, आगंतुकों की सुविधाएं, प्रदर्शनी स्थल की तैयारियां, ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। डीआरडीओ के अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस प्रदर्शनी में देश की अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों एवं उपकरणों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य आमजन, विशेषकर छात्र-छात्राओं को रक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से अवगत कराना है। यह प्रदर्शनी युवाओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने तथा उन्हें अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगी। जिला प्रशासन की ओर से सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करें, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र विशेष सतर्कता बरती जाएगी तथा प्रदर्शनी स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग को भी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि डीआरडीओ एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से यह प्रदर्शनी मोतिहारी में एक ऐतिहासिक एवं सफल आयोजन के रूप में स्थापित होगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारीगण, डिप्टी मेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद एवं जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पिपरासी में सर्पदंश से 40 वर्षीय मजदूर की मौत

बीएनएम @ बगहा। बगहा अनुमंडल अंतर्गत पिपरासी प्रखंड के मंझरिया पंचायत के एक मजदूर किसान की मौत रविवार को सर्पदंश से हो गई। थानाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि रामनगर धुसवा टोला गांव निवासी अशोक चौरसिया 40 वर्ष गेहूं के खेत में काम कर रहा था। उसी दौरान एक विषधर सांप ने उसे डंस लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया है। साथ ही मृतक की पत्नी प्रतिमा देवी के आवेदन पत्र के आलोक में यूडी केश थाना में दर्ज कर लिया गया है। ताकि पीड़ित को चार लाख रुपए मुआवजा मिल सके। इस घटना से गांव में मातम का महौल है। गर्मी के दिनों में सर्प अपने आसियाना से निकलते हैं। और घटना को अंजाम देते हैं। सर्पदंश की अधिक सम्भावना इस मौसम में बनी रहती है। पीएचसी में सर्पदंश की दवा है। लेकिन विशेषज्ञ और उपकरण नहीं है। जिसके कारण समय से इलाज नहीं हो पता है। प्रभारी सीओ मोहम्मद महफूज आलम ने बताया कि आपदा प्रबंधन से मुआवजा दिलाने के लिए प्रस्ताव भेजी जाएगी । नाजीर राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आधार कार्ड, यूडी केश ,बैंक पासबुक, मृत्यु प्रमाण पत्र आदि आवेदन के साथ स्वजनों के द्वारा जमा कराकर प्रस्ताव जिला मुख्यालय में भेजी जाएगी। उसके बाद कोषागार बेतिया से सीधे मृतक के परिजन के खाते में मुआवजे की राशि चला जाएगा।

69 लीटर शराब बरामद

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत पिपरासी थाना क्षेत्र के घोडहवा दियारे से विशेष समकालीन अभियान के तहत रविवार की रात छापेमारी कर पुलिस ने 69 लीटर अंग्रेजी शराब को जब्त किया। वही पुलिस को देखते ही शराब तस्कर बाइक पर लदी शराब को फेंक कर फरार हो गया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि विशेष समकालीन अभियान के तहत 69 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। लेकिन पुलिस को देखते हैं शराब तस्कर शराब फेंक कर बाइक लेकर फरार होने में कामयाब रहा। जिसकी पहचान की जा रही है। शीघ्र ही पहचान कर उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल अज्ञात के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज किया गया है। यह शराब उत्तर प्रदेश की सीमावर्ती दुकान से लाकर दियारे के रास्ते अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचना चाहता था।

बच्चों की सफलता में शिक्षकों व अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिकाः पूर्व प्राचार्य

बीएनएम @ बगहा। बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं. भरत उपाध्याय ने देवकन्या शिक्षण संस्थान में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। तथा उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि -विद्यार्थियों की सफलता में शिक्षकों के साथ- साथ अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों को समय से तैयार कर स्कूल भेजना साधारण कार्य नहीं है।उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन में रहकर लक्ष्य केंद्रित पढ़ाई करने की प्रेरणा दिया। इस अवसर पर अन्नत मणि,किशन यादव,अदिती यादव, आलोक रावत, शिवांगी गुप्ता, अस्मिता यादव, सुहेल,आयुष गुप्ता, सुष्मिता पासवान, आदर्श विश्वकर्मा,मानसी गुप्ता सहित सैकड़ों छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य अम्बरीष मणि ने अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ बेतिया। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी ऑडिटोरियम में विभिन्न राज्यों की यूनिवर्सिटियों के प्रतिनिधियों द्वारा करियर काउंसलिंग एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उड़ान एजुकेशन के संस्थापक आकाश कुमार के नेतृत्व में किया गया, जहां पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के सैकड़ों छात्रों को उनके भविष्य और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों के बारे में बताते हुए उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। साथ ही यह भी बताया गया कि सही मार्गदर्शन से वे आसानी से अलग-अलग क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान लैब ऑफ एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट, पश्चिम चंपारण के संस्थापक और 'विज्ञान घर' के बिहार स्टेट कोऑर्डिनेटर नितेश कुमार पटेल को विभिन्न यूनिवर्सिटी से आए प्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया।

'छात्र राजद' का बदला नाम, अब एसएसएआई रूप में होगी नई पहचान

बीएनएम @ पटना। बिहार की राजनीति में छात्र संगठनों को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। राष्ट्रीय जनता दल से जुड़ा छात्र संगठन 'छात्र राजद' अब नए नाम से काम करेगा। पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि अब यह संगठन एसएसएआई यानी सोशलिस्ट स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाएगा। तेजस्वी यादव ने बताया कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 2006 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है, जिसमें कहा गया था कि छात्र संगठनों का नाम सीधे किसी राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं होना चाहिए। इसी नियम का पालन करते हुए संगठन का नाम बदला गया है। नए नाम के साथ संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बनाने की योजना है। तेजस्वी यादव ने कहा कि देश के कई विश्वविद्यालयों जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालयकृमें छात्र संगठन सक्रिय रूप से चुनाव लड़ते हैं। ऐसे में एसएसएआई को भी व्यापक पहचान देने और छात्रों के बीच मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की रणनीति तैयार की जा रही है। गौरतलब है कि 'छात्र राजद' लंबे समय तक अनौपचारिक रूप से संचालित होता रहा। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने वर्ष 2011 से 2025 तक इस संगठन की जिम्मेदारी संभाली थी। बाद में संगठनात्मक बदलावों के तहत यह जिम्मेदारी उनसे अलग कर दी गई। इस बदलाव को राजद की छात्र राजनीति में नई शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, जिसका असर आने वाले समय में विश्वविद्यालय परिसरों में देखने को मिल सकता है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, बैरिया में प्रशिक्षण शुरू

बीएनएम @ बैरिया। बैरिया प्रखंड मुख्यालय के मिटिंग सभागार में जनगणना 2027 को सफल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रखंड कार्यालय परिसर में सोमवार से प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन चार्ज पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी कर्मजीत राम ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार सभी संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे अपने कार्यों को पूरी स्पष्टता और दक्षता के साथ संपन्न कर सकें। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि जनगणना से जुड़े सभी पहलुओं की सही जानकारी कर्मियों को दी जाए, जिससे आम लोगों के मन में उठने वाले संदेहों का समाधान भी किया जा सके। जानकारी के अनुसार, जनगणना 2027 दो चरणों में प्रस्तावित है। पहला चरण 2 मई से 31 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें मकानों का सूचीकरण किया जाएगा। वहीं, दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या से संबंधित आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। बैरिया प्रखंड में कुल 410 प्रगणक और 66 पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अरेराज में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का प्रशिक्षण शुरू, सैकड़ों कर्मी हुए शामिल

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण की तैयारियों के तहत पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को सोमेश्वर प्लस टू विद्यालय, अरेराज के सभागार में विधिवत प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, राजस्व अधिकारी विनोद पांडे तथा मास्टर प्रशिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित ने कहा कि जनगणना देश के समग्र विकास की आधारशिला है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े सरकार को विभिन्न योजनाओं के निर्माण एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षक और प्रगणक इस प्रक्रिया की रीढ़ हैं, क्योंकि वे ही जमीनी स्तर पर घर-घर जाकर सटीक और विश्वसनीय जानकारी एकत्रित करते हैं। उन्होंने सभी कर्मियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारी को गंभीरता से समझें और उसे अपने कार्य में पूरी निष्ठा के साथ लागू करें। उन्होंने यह भी कहा कि जनगणना कार्य पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न होना चाहिए। किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रपत्रों को सही ढंग से भरने की प्रक्रिया, डिजिटल उपकरणों के उपयोग तथा डेटा संकलन के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस मौके पर मास्टर प्रशिक्षक मिंटू कुमार मिश्रा, ब्रजभूषण तिवारी, हृदय कुमार, रामउदय कुमार सहित पर्यवेक्षक अमरेंद्र कुमार, रजनीश कुमार मिश्रा, संतोष कुमार तिवारी एवं सैकड़ों की संख्या में प्रगणक और पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

जन्मतिथि सुधार के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, शिक्षक का पैसे लेते वीडियो वायरल

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय नरियरवा में सहायक शिक्षक जगदीश भगत पर जन्मतिथि और नाम सुधार के नाम पर अभिभावकों से अवैध वसूली करने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर शिक्षक का कागज में लपेटकर पैसे लेते एक वीडियो वायरल होने के बाद मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। नरियरवा निवासी मनौअर अंसारी ने आरोप लगाया कि संबंधित शिक्षक टीसी, जन्मतिथि और नाम में सुधार के नाम पर अभिभावकों से 250 से 700 रुपये तक वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में कागज में पैसे लेकर काम करने का खेल लंबे समय से चल रहा है। अभिभावक कैलाश साह, विकाऊ अंसारी और दीपक कुमार सहित कई लोगों ने भी आरोप लगाया कि कागजात में सुधार के नाम पर पैसे की उगाही की जा रही है। वायरल वीडियो में शिक्षक को कागज में लपेटकर रुपये लेते देखा जा रहा है, जिससे अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं आरोपों पर सफाई देते हुए सहायक शिक्षक जगदीश भगत ने कहा कि उन्होंने किसी व्यक्ति को दवा लाने के लिए पैसे दिए थे। दवा उपलब्ध नहीं होने पर वही पैसे कागज में लपेटकर वापस किए जा रहे थे। इसी दौरान किसी ने वीडियो बनाकर स्थानीय राजनीति के तहत सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए बीईओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि डीईओ के निर्देश पर जांच शुरू कर दी गई है और पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। घटना के बाद शिक्षा विभाग की कार्यशैली और विद्यालयों में कागजी सुधार के नाम पर कथित उगाही को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

श्रीपुर में विकास की नई सुबहः पंचायत भवन में ग्रामीण अस्पताल शुरू, आज खुलेगी अंबेडकर लाइब्रेरी

बीएनएम @ श्रीपुर (पूर्वी चंपारण)

श्रीपुर (पूर्वी चंपारण)। श्रीपुर पंचायत के लिए यह दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। आजादी के बाद पहली बार पंचायत सरकार भवन में 'खुला ग्रामीण अस्पताल' का शुभारंभ किया गया, जिससे गांव और आसपास के सुदूर इलाकों के लोगों को अब स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस पहल को ग्रामीणों ने क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताया। ग्रामीण अस्पताल का उद्घाटन मुखिया उदय सोनम जायसवाल और ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष उदय जायसवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान पंचायत भवन परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और इस पहल का जोरदार स्वागत किया। मुखिया ने कहा कि अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त दवा, प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए महंगे निजी अस्पतालों का रुख करने के बजाय सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब गांव में ही बेहतर इलाज की व्यवस्था होने से लोगों को समय और पैसे दोनों की बचत होगी। स्वास्थ्य सुविधा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी पंचायत ने बड़ी पहल की है। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर आज पंचायत सरकार भवन में 'अंबेडकर लाइब्रेरी' का उद्घाटन किया जाएगा। इससे पंचायत के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल, पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिलेगा। मुखिया ने यह भी घोषणा की कि पंचायत स्तर पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, ताकि शिक्षा के प्रति बच्चों में उत्साह बढ़े और बेहतर परिणाम सामने आएं। उद्घाटन समारोह में घोड़ासहन अस्पताल के चिकित्सक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, उप-मुखिया उदेश यादव, चंदन यादव, बबलू यादव, मोती कासर, प्रमोद, सिकिंद्र शाह, सन्नी सावन सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल को श्रीपुर के विकास की नई शुरुआत बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा की यह दोहरी सौगात आने वाले समय में पंचायत की तस्वीर बदल देगी।

भारत–नेपाल विकास सहयोग की नई मिसालः प्रसौनी में 4 करोड़ की लागत से विद्यालय भवन का शिलान्यास

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। नेपाल–भारत विकास सहयोग के तहत बारा जिले के प्रसौनी गाँवपालिका–2 स्थित श्री बेंगा साह माध्यमिक विद्यालय एवं पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ हो गया। रविवार को आयोजित समारोह में वीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत देवी सहाय मीना तथा प्रसौनी गाँवपालिका अध्यक्ष बिनोद प्रसाद जैसवाल ने संयुक्त रूप से भवन का शिलान्यास किया। भारत सरकार के अनुदान से करीब 4 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना (एचआईसीडीपी) के तहत बनाई जा रही है। इसके अंतर्गत तीन मंजिला दो भवन तैयार होंगे, जिनमें 12 अतिरिक्त कक्षाएँ, कैंटीन, भोजनालय, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और विज्ञान प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएंगी। समारोह को संबोधित करते हुए महावाणिज्यदूत मीना ने कहा कि यह परियोजना स्थानीय विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बेहतर माहौल देगी। उन्होंने कहा कि एचआईसीडीपी नेपाल–भारत विकास साझेदारी का मजबूत स्तंभ है और भारत सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य व आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निरंतर सहयोग दे रही है। जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश में भारत सरकार की 87 परियोजनाएँ स्वीकृत हैं, जिनमें 61 पूरी हो चुकी हैं, जबकि 26 निर्माणाधीन हैं। इनमें 52 परियोजनाएँ शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी हैं। वहीं बारा जिले में स्वीकृत 4 परियोजनाओं में 3 पूरी हो चुकी हैं और एक पर काम जारी है। विद्यालय में फिलहाल करीब 2400 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। नए भवन के निर्माण से विद्यालय की शैक्षिक आधारभूत संरचना मजबूत होगी और विद्यार्थियों को सुरक्षित, आधुनिक तथा तकनीकी सुविधाओं से युक्त वातावरण मिल सकेगा। अध्यक्षता करते हुए बिनोद प्रसाद जैसवाल ने कहा कि नया भवन स्थानीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देगा। उन्होंने भारत सरकार के सहयोग के प्रति आभार जताते हुए निर्माण कार्य को समय पर पूरा कराने में गाँवपालिका की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष किरण देवी साह, प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी नवीन कुमार श्रीवास्तव, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रवेशोत्सव अभियानः शिक्षा से वंचित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान, नामांकन के लिए प्रेरित किए अभिभावक

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। प्रवेशोत्सव अभियान के तहत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी द्वारा शिक्षा के अधिकार को सशक्त बनाने की दिशा में एक व्यापक और प्रभावशाली पहल की गई। इस अभियान के अंतर्गत विद्यालय के बाल संसद एवं मीना मंच के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के मार्गदर्शन में पोषक क्षेत्र के विभिन्न गांवों और टोलों में घर-घर जाकर सर्वे किया तथा ऐसे बच्चों की पहचान की, जो किसी कारणवश अब तक विद्यालय से दूर हैं और शिक्षा के अधिकार से वंचित रह गए हैं। भ्रमण के दौरान टीम ने न केवल ऐसे बच्चों को चिन्हित किया, बल्कि उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। अभिभावकों को यह समझाया गया कि वर्तमान समय में शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और उन्हें विद्यालय से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि अभिभावकों का विश्वास बढ़े और वे अपने बच्चों का नामांकन कराने के लिए प्रेरित हों। यह अभियान अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के एक भी बच्चे को शिक्षा से वंचित न रहने देना है। विद्यालय परिवार ने इस लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया और अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया। इस सराहनीय पहल में प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी के नेतृत्व में शिक्षक जीवन ज्योति, प्रदीप कुमार, हितेश कुमार उपाध्याय, पवन कुमार मिश्रा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं, ग्रामीण स्तर पर भी इस अभियान को भरपूर समर्थन मिला, जिसमें चुमन सिंह, अमर सिंह और धनंजय भगत जैसे जागरूक ग्रामीणों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इन सभी के सामूहिक प्रयास से अभियान को नई ऊर्जा और दिशा मिली। अभियान के दौरान ग्रामीणों में भी सकारात्मक उत्साह देखने को मिला और कई अभिभावकों ने अपने बच्चों का नामांकन कराने की सहमति जताई। इससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में नामांकन दर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और शिक्षा के प्रति जागरूकता और भी सुदृढ़ होगी। प्रवेशोत्सव अभियान के माध्यम से विद्यालय द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक साबित हो रहा है, बल्कि समाज को एक सकारात्मक संदेश भी दे रहा है कि जब विद्यालय, प्रशासन और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तो कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रह सकता।

वाहन जांच में खुला चोरी के गाड़ियों का राजः बोलेरो–मैजिक बरामद, गैरेज मालिक समेत तीन जेल

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। रघुनाथपुर पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की एक बोलेरो और एक मैजिक पिकअप बरामद की है। इस मामले में गैरेज मालिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बड़ा बरियारपुर निवासी गैरेज मालिक बुलेट राउत, डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर निवासी विकेश कुमार यादव और खजुरिया निवासी मोहम्मद रहमान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, रघुनाथपुर में नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक बोलेरो गाड़ी आती दिखाई दी, जिसे रोककर कागजात की मांग की गई। चालक और सवार कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर पुलिस को शक हुआ और जब नंबर प्लेट की जांच की गई तो पता चला कि गाड़ी पर लगी नंबर प्लेट किसी दूसरी गाड़ी की थी। तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बोलेरो में सवार विकेश यादव और मोहम्मद रहमान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि बोलेरो चोरी की है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि एक अन्य चोरी की गाड़ी छतौनी स्थित बुलेट राउत के गैरेज में खड़ी है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने छापेमारी कर वहां से चोरी की मैजिक पिकअप बरामद कर ली। साथ ही गैरेज मालिक बुलेट राउत को भी गिरफ्तार कर थाना ले आई। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि इस मामले में एफआईआर दर्ज कर तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोरी के वाहन के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन के महाधिवेशन में नई केंद्रीय कमिटी का गठन, श्रम नीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का ऐलान

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार की राजधानी पटना के विद्यापति भवन में दिनांकः 12 व 13 अप्रैल 2026 को पूर्व मध्य रेल के एकमात्र मान्यता प्राप्त यूनियन ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू) के तत्वावधान में दो दिवसीय विशाल महाधिवेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान चुनाव समिति द्वारा नई केंद्रीय कमिटी का गठन किया गया। नई केंद्रीय कमिटी में संतोष पासवान को अध्यक्ष, मृत्युंजय कुमार को महासचिव तथा रत्नेश वर्मा को संयुक्त सचिव चुना गया। महाधिवेशन में नई श्रम नीति, नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस), यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस), निजीकरण/निगमीकरण, बोनस नीति, ड्यूटी रोस्टर समेत कई ज्वलंत मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई और इनके खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद -सह- लेबर कमिटी सदस्य कामरेड राजाराम सिंह, आईआरईएफ के महासचिव कामरेड सर्वजीत सिंह एवं एआईसीसीटीयू के महासचिव कामरेड राजीव डिमरी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। महाधिवेशन में पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र से बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों ने भाग लिया।महासचिव मृत्युंजय कुमार ने बताया कि यह यूनियन का छठा केंद्रीय महाधिवेशन है, जिसमें नई कमिटी का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि सातवें वेतन आयोग के आधार पर बोनस भुगतान, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली, आठवें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 3.5 लागू करने तथा निजीकरण/निगमीकरण का विरोध प्रमुख मांगें हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पेंशन, बोनस, वेतन वृद्धि एवं ड्यूटी रोस्टर कर्मचारियों के अधिकार हैं, जिन्हें सरकार को स्वतः लागू करना चाहिए। कामरेड सर्वजीत सिंह ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों पर जबरन नई श्रम नीति और निजीकरण थोपा जा रहा है तथा 55/30 सर्विस रिव्यू जैसी नीतियां कर्मचारियों के हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने पूरे देश में एक समान पुरानी पेंशन प्रणाली (ओपीएस) लागू करने की मांग की। वहीं संयुक्त सचिव रत्नेश वर्मा ने मजदूरों की दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ठेका मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं मिल रही है और मजदूरों को आम जनता, छात्रों एवं नौजवानों के साथ मिलकर संघर्ष करना होगा। मुख्य अतिथि कामरेड राजाराम सिंह ने कहा कि 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 लेबर कोड लाना मजदूरों के हितों पर कुठाराघात है। उन्होंने केंद्र सरकार से नई श्रम नीति वापस लेने की मांग की। कामरेड राजीव डिमरी ने कहा कि कर्मचारियों को केवल पुरानी पेंशन प्रणाली (ओपीएस) ही स्वीकार्य है। उन्होंने रेलवे में कर्मचारियों की भारी कमी, अत्यधिक कार्यभार, रन-ओवर की घटनाओं तथा सुरक्षा उपकरणों की कमी पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने ट्रैक पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए जीवन रक्षक उपकरण एवं 1 करोड़ रुपये के जीवन बीमा की व्यवस्था की मांग की। साथ ही, पॉइंट्समैन, गेटमैन एवं सिग्नल स्टाफ के लिए उचित ड्यूटी रोस्टर एवं नई भर्ती की आवश्यकता पर जोर दिया। महाधिवेशन के दौरान जन-जागरूकता अभियान चलाकर सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

भेदभाव की गुंजाइश

जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उन्हें अपनाने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रूप से रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के उस निर्णय पर मुहर लगा दी है कि हिंदू, बौद्ध और सिख धर्म छोड़कर अलावा किसी अन्य मजहब को अपना चुका व्यक्ति स्वतः अनुसूचित जाति की श्रेणी से बाहर हो जाता है। आंध्र हाई कोर्ट ने यह फैसला संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश-1950 के तहत दिया था। मामला अनुसूचित जाति के एक व्यक्ति के धर्म बदल कर ईसाई बनने से संबंधित है। हिंदू धर्म के अंदर अनुसूचित जातियों को मिले लाभ एवं संरक्षणों पर धर्मांतरण के बाद भी उस व्यक्ति ने दावा जताया था। मगर भारतीय संविधान के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

संविधान निर्माताओं ने अनुसूचित जातियों के लिए विशेष प्रावधान हिंदू धर्म के अंदर वर्ण व्यवस्था के तहत बरते गए ऐतिहासिक भेदभाव से उन्हें बचाने के लिए किया था। अनुसूचित जाति/ जनजाति अधिनियम भी उसी भावना के अनुरूप है। इस कानून के जरिए जातिगत आधार पर होने वाले भेदभाव या अपमान से दलित जातियों को संरक्षण देने का प्रयास किया गया है। जिन धर्मों में वर्ण व्यवस्था का प्रावधान नहीं है, उनमें शामिल होने के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक रहती है कि संबंधित व्यक्ति जातिगत पहचान से मुक्त हो जाए और इस आधार पर उससे भेदभाव की गुंजाइश ना रहे। उस स्थिति में उसे उन वैधानिक लाभ, संरक्षण, एवं आरक्षण की जरूरत नहीं रहेगी, जो हिंदू धर्म में रहते हुए गरिमामय जीवन के लिए जरूरी था।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस व्याख्या की पुष्टि करते हुए न्यायोचित निर्णय दिया है। हाई कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिका में दलील दी गई कि मजहब बदलने के बाद भी अनुसूचित जाति के लोग जातिगत बहिष्करण या भेदभाव से मुक्त नहीं होते। इसलिए उन्हें उन जातियों के लिए तय सारे लाभ मिलने चाहिए। बहरहाल, अगर यह सच है, तो फिर भेदभाव के कारणों की पड़ताल अधिक गहन रूप से की जानी चाहिए। उनसे मुक्ति के क्या उपाय हैं, इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। हर समस्या को जातिगत विमर्श में समेटना अनुचित है। जिन धर्मों का विकासक्रम एक खास परिप्रेक्ष्य में हुआ, उनसे जुड़े प्रावधानों को अन्य धर्मों तक फैलाने की मांग अतार्किक है।

रेल की पटरियों पर भविष्य का भारत

विनोद कुमार सिंह

अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी का संकल्प,विकास की धड़कनों से जुड़ते जनजातीय अंचल,समावेशी भारत की ओर बढ़ता राष्ट्र*

भारत की विकास गाथा केवल महानगरों की चमक-दमक या औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है,इसकी वास्तविक शक्ति उन दूरस्थ गांवों,पहाड़ी अंचलों और घने वनों में बसती है,जहाँ आज भी जनजातीय समाज अपनी परंपराओं,संस्कृति और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के साथ जीवन जी रहा है।लंबे समय तक ये क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर रहे -सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित।आज भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ती विकास की यह नई कहानी इन दूरस्थ इलाकों तक पहुंचने लगी है।भारतीय रेल के माध्यमसे अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का जो संकल्प सामने आया है,वह केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,समान अवसर और मानवीय गरिमा की पुर्नस्थापना का प्रयास है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विकसित भारत @ 2047" के विज़न में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि विकास का अर्थ तभी पूर्ण होगा,जब वह समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल जिस गति से विस्तार कर रही है,वह इस संकल्प को व्यवहार में बदलने का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2025–26 में 100 रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृति मिलना इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।इन परियोजनाओं के अंतर्गत नई रेल लाइनों का निर्माण,दोहरीकरण,मल्टी-ट्रैकिंग, वायपास और फ्लाई ओवर जैसी पहलें शामिल हैं,जो देश के रेल नेटवर्क को न केवल विस्तृत करेंगी,बल्कि उसे अधिक सक्षम और आधुनिक भी बनाएंगी।1.53 लाख करोड़ के विशाल निवेश और 6,000 किलोमीटर से अधिक रेल नेटवर्क के विस्तार का यह अभियान केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं है।यह उन सपनों का विस्तार है,जो वर्षों से जनजातीय और पिछड़े वर्गों की आँखों में पलते रहे हैं।यह वह विश्वास है,जो अब वास्तविकता में बदलता दिखाई दे रहा है कि "देश का विकास,सबका विकास" केवल नारा नहीं,बल्कि एक जीवंत प्रक्रिया है।विशेष रूप से जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों पर केंद्रित यह पहल अपने आप में एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप लेती दिखाई देती है।उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार,इस कुल निवेश में से लगभग 40,000 करोड़ से अधिक की राशि जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित है।यह राशि केवल परियोजनाओं का खर्च नहीं,बल्कि उन पीढ़ियों के भविष्य में किया गया निवेश है,जो अब तक विकास की दौड़ में पीछे छूटती रही थीं।छत्तीसगढ़ के रावघाट से जगदलपुर तक बनने वाली रेल लाइन,झारखंड और ओडिशा के

दुर्गम अंचलों में विस्तारित हो रहे रेल कॉरिडोर-ये केवल परियोजनाएं नहीं,बल्कि उन बच्चों के सपनों की पटरियां हैं, जो अब बेहतर शिक्षा के लिए शहरों तक पहुंच सकेंगे; उन मरीजों के जीवन की डोर हैं,जिन्हें समय पर इलाज मिल सकेगा; और उन किसानों व कारीगरों के लिए आशा की किरण हैं,जो अब अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचा सकेंगे।जनजातीय समाज,जो सदियों से प्रकृति का संरक्षक रहा है,आज भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीता है।वही आधुनिक सुविधाओं से दूर रहने के कारण वह कई बार अवसरों से वंचित रह जाता है।ऐसे में जब रेल जैसी सशक्त परिवहन व्यवस्था इन क्षेत्रों तक पहुंचती है,तो यह केवल दूरी कम नहीं करती, बल्कि अवसरों की खाई भी पाटती है।महाराष्ट्र, बिहार,झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में परियोजनाओं का विशेष फोकस यह दर्शाता है कि सरकार उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है,जहाँ जनसंख्या का बड़ा हिस्सा अभी भी विकास के लिए संघर्ष कर रहा है।इन राज्यों में बेहतर रेल संपर्क से न केवल यात्री सुविधाओं में सुधार होगा,बल्कि माल परिवहन को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

'मिशन 3000 एमटी' के तहत माल परिवहन क्षमता बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम भारत की आर्थिक मजबूती को नई दिशा देंगे।कोयला, खनिज और अन्य संसाधनों के तेज परिवहन से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी,वहीं बंदरगाहों से बेहतर संपर्क तटीय व्यापार को गति देगा।यह सब मिलकर भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेगा।1,000 करोड़ से अधिक लागत वाली 35 से अधिक परियोजनाएं इस बात का संकेत हैं कि अब विकास की सोच छोटे सुधारों से आगे बढ़कर व्यापक परिवर्तन की ओर अग्रसर है।कसारा-मनमाड,खरसिया-नया रायपुर-परमलकासा,इटारसी-नागपुर और सिकंदराबाद-वाड़ी जैसे प्रमुख रेल कॉरिडोर आने वाले समय में देश की आर्थिक धुरी बनेंगे।इस व्यापक निवेश का प्रभाव बहुआयामी होगा।एक ओर जहाँ लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा,वहीं इस्पात,सीमेंट और अन्य आधारभूत उद्योगों को भी नई गति मिलेगी।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी,जिससे देश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और आम नागरिक को भी इसका लाभ मिलेगा।उपरोक्त सभी आंकड़ों और परियोजनाओं के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण तत्व है,वह है-मानवीय संवेदना।यह वह भावना है,जो यह सुनिश्चित करती है कि विकास केवल आंकड़ों का खेल न रहकर लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाए।जब किसी दूरस्थ जनजातीय गांव में पहली बार ट्रेन की सीटी सुनाई देती है,तो वह केवल एक आवाज नहीं होती, बल्कि वह एक नए युग के आगमन की घोषणा होती है।आज भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ती ट्रेन नहीं है,बल्कि यह उन अनगिनत कहानियों की वाहक है,जो संघर्ष, आशा और बदलाव की मिसाल हैं।यह उन सपनों को जोड़ने का माध्यम है,जो अब तक बिखरे हुए थे।संक्षेप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत मिशन और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेल एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रही है,जहाँ विकास का कोई भी हिस्सा अधूरा नहीं रहेगा।यह केवल पटरियों का विस्तार नहीं है-यह विश्वास का विस्तार है,अवसरों का विस्तार है।यह उस भारत का निर्माण है,जहाँ जनजातीय समाज,पिछड़े वर्ग और हर नागरिक समान अधिकार और सम्मान के साथ विकास की यात्रा में सहभागी बन सके।जब अंतिम छोर तक रेल पहुँचेगी,तब ही वास्तव में भारत विकसित होगा-यही इस ऐतिहासिक पहल का सबसे बड़ा संदेश है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमेरिका-ईरान की वार्ता फेल के मायने

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का असफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार भर नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पडऩे वाला है। यह विफलता कई स्तरों पर गंभीर संकेत देती है। यह पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति, अविश्वास और क्षेत्रीय शक्तियों की प्रतिस्पर्धा का भी प्रतिबिंब है। ऐसे में यह कहना कि इस विफलता के लिए पाकिस्तान पूरी तरह जिम्मेदार है, एक अतिसरलीकरण होगा—हालांकि उसकी भूमिका को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। यह वार्ता ही बेईमानी थी कि क्योंकि लेबनान में इजरायल की बमबारी कर रहा था जिस पर ईरान ने अपना विरोध दर्ज कराया था। वहीं ईरान की दस सूत्री बातें जो कि अमेरिका शुरु से मानने से इंकार कर रहा था। अब ऐसे में वार्ता हुई जो बताया जा रहा है पाकिस्तान ने एक दूसरे देश की बातें साझा की जो वार्ता का हल ही अस्पष्ट कर देती है। पाकिस्तान से जाते समय अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी बेंस ने भी वार्ता फेल की जानकारी दी। इस शांति वार्ता के फेल होने के कई कारण हैं।

सबसे पहले, यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाने का संकेत है। पहले से ही इजऱायल, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र में तनाव मौजूद है। ऐसे में वार्ता का टूटना टकराव की संभावना को और बढ़ा सकता है। ईरान समर्थित समूहों और अमेरिका समर्थित शक्तियों के बीच परोक्ष संघर्ष तेज हो सकता है।दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ईरान एक बड़ा तेल उत्पादक देश है, और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में संतुलन बन सकता था। लेकिन वार्ता विफल होने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ सकती है, जिसका असर भारत जैसे आयातक देशों पर सीधे पड़ेगा।तीसरा, यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों से चल रही बातचीत के बावजूद यदि कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता, तो यह दर्शाता है कि आपसी अविश्वास और राजनीतिक हित शांति के रास्ते में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य में अन्य वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ेंगी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने का उद्देश्य इस वार्ता का मुख्य आधार था। अब इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा है, जिससे वैश्विक सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। यह विफलता एक चेतावनी है कि केवल बातचीत की मेज पर बैठना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि विश्वास निर्माण और ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति भी जरूरी है। यदि विश्व शक्तियां समय रहते समाधान नहीं निकाल पातीं, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है।

वहीं पाकिस्तान की भूमिका की बात की जाये तो पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। एक ओर वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसकी भौगोलिक निकटता और ऊर्जा हित जुड़े हुए हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाने की इछा जताई है, लेकिन उसकी आंतरिक अस्थिरता, सीमित कूटनीतिक प्रभाव और सुरक्षा चुनौतियाँ उसे एक प्रभावी मध्यस्थ बनने से रोकती हैं।इसके अलावा, पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह भी बना रहता है। अमेरिका को यह आशंका रही है कि पाकिस्तान क्षेत्र में अपने हितों को साधने के लिए ईरान के साथ दोहरी नीति अपनाता है, जबकि ईरान भी पाकिस्तान की सऊदी अरब के साथ निकटता को लेकर सतर्क रहता है। ऐसे में यदि वार्ता के दौरान पाकिस्तान की कोई अप्रत्यक्ष भूमिका रही भी हो, तो वह निर्णायक नहीं कही जा सकती।वास्तव में, अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई बहुत गहरी है—परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध, और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से टकराव चला आ रहा है। इन मूल मुद्दों का समाधान किए बिना किसी तीसरे देश को दोष देना वास्तविकता से मुंह मोडऩे जैसा होगा। पाकिस्तान इस कूटनीतिक परिदृश्य में एक सीमित और परोक्ष भूमिका निभाता है, लेकिन वार्ता की विफलता का मुख्य कारण नहीं है। यह विफलता अधिकतर अमेरिका और ईरान के बीच गहरे मतभेदों और पारस्परिक अविश्वास का परिणाम है, जिसे किसी एक बाहरी कारक पर थोपना न तो उचित है और न ही व्यावहारिक।

अमेरिका का अब आगे का रुख क्या ?

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का ईरान के प्रति रुख एक जटिल रणनीतिक संतुलन पर टिका हुआ दिखाई देता है। एक ओर वह प्रत्यक्ष युद्ध से बचना चाहता है, तो दूसरी ओर ईरान की क्षेत्रीय गतिविधियों और परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर सख्त नियंत्रण भी बनाए रखना चाहता है। यही द्वंद्व आने वाले समय में उसकी नीति की दिशा तय करेगा। सबसे पहले, अमेरिका की प्राथमिकता पूर्ण युद्ध से बचाव है। इराक, अफगानिस्तान जैसे लंबे और महंगे सैन्य अभियानों के अनुभव ने उसे सिखाया है कि मध्य-पूर्व में सीधा युद्ध केवल अस्थिरता बढ़ाता है। इसलिए वह ईरान के साथ सीधे सैन्य टकराव के बजाय नियंत्रित दबाव की नीति अपना रहा है। दूसरा, अमेरिका आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंधों को और सख्त कर सकता है। ईरान के तेल निर्यात, बैंकिंग प्रणाली और रक्षा सहयोग पर रोक लगाकर वह उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। साथ ही, वह यूरोपीय देशों और खाड़ी सहयोगियों को भी अपने साथ जोड़कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने की दिशा में काम करेगा।तीसरा, अमेरिका की रणनीति में प्रत्यक्ष नहीं, परोक्ष सैन्य उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रहेगी। खाड़ी क्षेत्र में अपने सैन्य ठिकानों को मजबूत करना, इजऱायल और सऊदी अरब जैसे सहयोगियों को समर्थन देना, और जरूरत पडऩे पर सीमित सैन्य कार्रवाई करना—ये सभी कदम उसकी डिटरेंस नीति का हिस्सा होंगे। चौथा, कूटनीति के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होंगे। अमेरिका यह समझता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका बातचीत ही है। इसलिए भविष्य में नई शर्तों के साथ किसी नए परमाणु समझौते की संभावना बनी रहेगी, भले ही वर्तमान हालात तनावपूर्ण क्यों न हों। अमेरिका का रुख एक दोहरी रणनीति पर आधारित रहेगा—एक तरफ दबाव और प्रतिबंध, दूसरी तरफ संवाद और समझौते की कोशिश। यह नीति तत्काल समाधान तो नहीं देगी, लेकिन क्षेत्र में बड़े युद्ध को टालने और अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करने का प्रयास अवश्य करेगी। देखना होगा कि युद्ध किसी मसले का हल नहीं है जबकि ऐसे में जब ईरान होर्मूज पर कब्जा कर बैठा है। अगर जैसा कि ईरान धमकी दे रहा है कि उसने होर्मूज में अपनी माइंस की लोकेशन मिल नहीं रही या इंटरनेट की केबिल काट देगा? यानी फिलाहल विश्व का ऊर्जा संकट टालने हेतू ईरान से शांति वार्ता बेहद जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। आपको किसी समारोह में शामिल होने का मौका मिल सकता है। असंभव सा लगने में किसी काम में सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को कुछ नयी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आज आपको शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा। आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपके मन की इच्छा पूरी होगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का स्पोर्ट मिल सकता है। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ सकती है। लोग आज आपकी बातों से प्रभावित होंगे, जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिल सकती हैं।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। व्यस्तता होने के बावजूद भी आप फॅमिली के लिए समय निकालेंगे। आज आपके लिए कुछ फैसला करना कठिन हो सकता है। रुक हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में काम बढ़ने से किसी काम में अनुमान से अधिक मेहनत लग सकती है। आज आपको उन लोगों से सावधान रहने की जरूरत है, जो आपको गलत राह पर ले जाने की सोचते हैं।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक किसी करीबी रिश्तेदार के आने से घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव होंगे। आज आपको किसी भी वाद-विवाद में पड़ने से बचना चाहिए। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखने का प्रयास करें।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। साथ ही आज का दिन कम मेहनत में ज्यादा फल दिलाने वाला रहेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। यदि आज आप शांतचित्त होकर कार्य करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लें। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिये अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को कुछ नई उपलब्धियां प्राप्त होंगी, दिन यादगार रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा से संबंधित शुभ समाचार मिल सकता है। कारोबार में मनापेक्षित लाभ मिलने के आसार हैं। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिता सकते हैं। अचानक कहीं बाहर जाने के योग बन रहे हैं। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा हो सकती है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिल सकती है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। घर में व्यवस्था बनाए रखने तथा रखरखाव संबंधी कार्यों में भी व्यस्तता रहेगी। किसी नजदीकी व्यक्ति की मुसीबत में उसका सहयोग करने से आत्मिक खुशी मिलेगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। किसी भी कार्य में दूसरों से मदद की उम्मीद ना करें तथा अपनी योग्यता पर ही विश्वास रखें, आपको निश्चित फायदा होगा। आज वित्तीय मामलों को लेकर लिया गया निर्णय फायदेमंद साबित होगा तथा रुके हुए कई कार्य पूर्ण होंगे।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं दूर ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है।

तीर्थ स्थलों पर कुप्रबंधन खतरे में श्रद्धालुओं की जान

मनोज कुमार अग्रवाल

अभी बिहार के नालंदा के देवी मंदिर धर्मस्थल पर भगदड़ में नौ श्रद्धालुओं की मौत का मामला ठंडा भी नही हुआ कि उत्तर प्रदेश के बड़े तीर्थ स्थल मथुरा के निकट वृंदावन में नाव हादसे का बेहद दुखदायी हादसा सामने आया है, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई है और अभी कुछ लापता भी हैं। आए दिन कभी पवित्र नदियों के स्नान पर्व पर कभी मंदिरों में दर्शन अवसर पर तो कभी तीर्थ यात्रा और तीर्थ स्थलों कभी शोभा यात्रा पुरी रथयात्रा रामलीला मेलों या गणेश मूर्ति विसर्जन के मौके पर हो रहे हादसों में सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान जा रही है हर हादसे के बाद जांच की खाना पूर्ति की जाती है हर बार प्रबंधन की खामियां प्रशासन की लापरवाही सामने आती है लेकिन कोई बदलाव नहीं आता इससे पहले अगला हादसा हो जाता है। आपको बता दें वृंदावन एक ऐसा तीर्थ स्थल है, जहां लाखों ही लोग जाते हैं। यहां भगवान कृष्ण जी ने अपना बचपन गुज़ारा। उनका जन्म मथुरा में हुआ। वृंदावन में सैकड़ों मंदिर हैं। यमुना के किनारे बसा होने के कारण यहां अनेक ही घाट हैं। यहां भगवान कृष्ण की याद में बना बांके बिहारी मंदिर लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बना रहता है। पंजाब से भी कुछ दर्जन श्रद्धालु यहां गए थे और लुधियाना, मुक्तसर एवं जगराओं के लगभग 37 श्रद्धालु यमुना में एक मोटर बोट पर सवारी कर रहे थे। गहरे पानी में बने पाटून पुल जिसे अब हटाया जा रहा था, से श्रद्धालुओं की नाव टकरा गई, जिस कारण यह हादसा हो गया, परन्तु नज़दीक के नाव वालों और गोताखोरों ने इनमें से कई व्यक्तियों को बचा लिया। इससे पहले भी देश भर में ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए पूरे प्रबन्ध न किये जाने के कारण अक्सर हादसे हो जाते हैं जिनमें बड़ी संख्या में लोग शिकार हो जाते हैं। इस तरह के प्रत्येक बड़े हादसे के बाद विशेष

रूप से मेलों और धार्मिक स्थलों पर एकत्रित हुए श्रद्धालओं संबंधी पुख्ता प्रबन्ध करने की योजनाएं बनाई जाती हैं। इन प्रबन्धों का कुछ प्रभाव भी पड़ता है। फिर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा इन प्रबन्धों में त्रुटियां रह जाने के कारण या प्रबन्धकों की लापरवाही के कारण ऐसे दुखद हादसे घटित हो जाते हैं। ऐसा कुछ न घटित हो, इसकी ज़िम्मेदारी संबंधित राज्यों पर भी आती है। उनकी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे प्रत्येक पक्ष से सचेत होकर प्रबन्ध करें, जिनसे श्रद्धालुओं की बड़ी से बड़ी संख्या को भी नियंत्रित किया जा सके, ताकि ऐसे हादसे न घटित हों। यमुना नदी की सैर करते हुए अथवा यहां एक से दूसरे स्थान पर नावों द्वारा जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन को सचेत होने की ज़रूरत है। जिस समय यह हादसा घटित हुआ, उस समय मोटर बोट में 31 श्रद्धालु थे, जिनमें से किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। यह बात सुनिश्चित है कि यदि मोटर बोट के प्रबन्धकों या प्रशासन की ओर से नाव में बैठने वालों के लिए लाइफ जैकेट पहनना ज़रूरी किया जाता तो मरने वालों में ज्यादातर का बचाव होने की बड़ी सम्भावना थी। इस संबंध में सरकार का भी यह कर्तव्य बनता है कि वह किसी भी धार्मिक या अन्य त्यौहार पर अथवा यदि किसी स्थान पर भारी जनसमूह जमा होने की सम्भावना हो, तो वह विशेष प्रबंध किए जाने के निर्देश दे और स्थानीय सरकारों द्वारा किए गए प्रबन्धों संबंधी भी केन्द्र सरकार से संबंधित अधिकारियों द्वारा सम्पर्क बनाए रखना ज़रूरी होना चाहिए। चाहे प्रधानमंत्री द्वारा और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा भी प्रभावित परिवारों के लिए राहत की घोषणा की गई है परन्तु ऐसे हादसों के कारण लम्बी अवधि तक संबंधित परिवारों को बड़ी त्रासदी भोगनी पड़ती है। समाज के सभी वर्गों और प्रशासनों को यह सुनिश्चित बनाना चाहिए कि भविष्य में ऐसा कुछ घटित न हो वहीं श्रद्धालुओं को भी पर्याप्त सावधानी और उत्साह के अतिरेक से बचना चाहिए एक ही दिन एक ही अवसर पर क्षमता से अधिक लोगों का एक स्थान पर स्नान पूजा मेला कथा शोभायात्रा में जमावड़ा करना और संयम खो कर धक्का मुक्की कर व्यवस्था बिगाड़ना कौन सी धार्मिकता का परिचय देता है? हर आयोजन में दो चार फीसदी ऐसे उश्रृंख लोगों की मौजूदगी रहती है जो अनावश्यक टकराव और अराजकता फैलाने का काम करते हैं। ऐसे लोग न भक्त हो सकते हैं न श्रद्धालु ये सिर्फ धार्मिक चोला पहन कर उन्माद मचाने का काम करते हैं और सच्चे श्रद्धालुओं के जीवन के लिए खतरा पैदा करने का काम करते हैं ऐसे ही लोग कांवड़ियों के वेश में शामिल होकर की बार उपद्रव करने का प्रयास करते हैं।सभी श्रद्धालुओं का कर्तव्य है कि वह व्यवस्था बना रही पुलिस मंदिर कमेटी के स्वयं सेवकों के निर्देशानुसार संयमित व्यवहार करें आपाधापी लाइन तोड़ कर आगे बढने की स्वार्थी प्रवृति से बचना चाहिए वही धार्मिक उपदेशक कथा वाचक भी अपने अनुयायियों को इन अवसरों पर नैतिकता संयम बनाने के लिए आगाह कर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

एजेंसी, मुम्बई। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं। रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये। उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये। रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया। रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं। वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी, मुम्बई।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब

तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी ... में तीन मैच जीतकर 6 अंक के ...थ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात ...इटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स ...-4 अंक लेकर आगे के स्थानों ... हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई ...ंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी ...-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ...ा है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

एजेंसी, रियो डी जेनेरो

स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे। इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए

मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। । , कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है। उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है। नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं। इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं। पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

एजेंसी, मुम्बई। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं। पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है।

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई।

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों

का उल्लंघन किया है। इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है। इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा।

बिजनेस

भारत में सात साल बाद ईरानी कच्चे तेल की वापसी, प्रमुख बंदरगाहों पर पहुंचे तेल टैंकर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट एवं ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा के बीच ईरानी कच्चा तेल लेकर आए दो बड़े टैंकर भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट के बंदरगाहों पर पहुंच गए हैं, जो लगभग 7 वर्षों में ऐसी पहली आपूर्ति है। शिप ट्रैकिंग डेटा से यह जानकारी मिली है।

शिप ट्रैकिंग की ओर से सोमवार को जारी डेटा के अनुसार ईरानी कच्चे तेल से भरा एक क्रूड ऑयल टैंकर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के पास पहुंचने के बाद एक और ईरानी तेल टैंकर गुजरात के सिक्का बंदरगाह के एंकरेज पर पहुंच गया है। इस जहाज में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लदा है, जिसे मार्च के मध्य में खार्ग द्वीप से लादा गया था।

शिप ट्रैकिंग के मुताबिक यह तेल टैंकर लगभग सात वर्षों में भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने वाले ईरानी क्रूड के पहले कार्गो हैं। नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी द्वारा संचालित

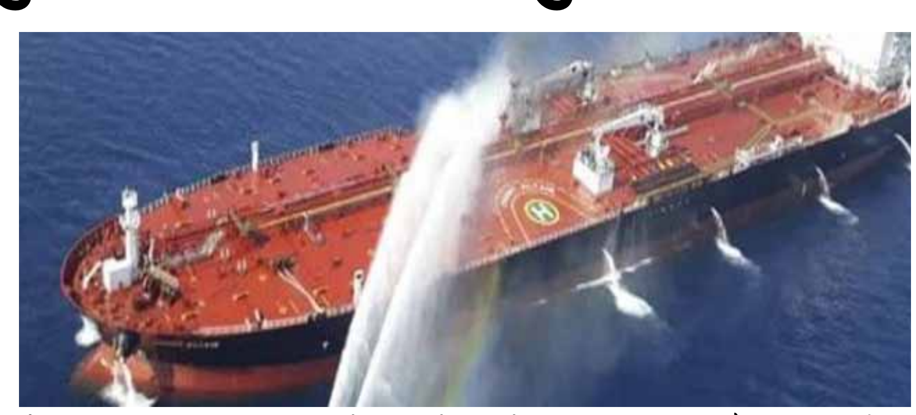

'फेलिसिटी' नामक एक बड़ा कच्चा तेल वाहक जहाज ने रविवार देर रात गुजरात तट के सिक्का के पास लंगर डाला। इस जहाज में करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल है, जिसे मार्च के मध्य में खार्ग द्वीप से लादा गया था।

इसी समय के आसपास एक दूसरा तेल टैंकर, 'जया', ओडिशा के तट पर पारादीप के पास आकर रुका है। यह जहात भी लगभग उतनी ही मात्रा में कच्चा तेल ले जा रहा है, जिसे फरवरी के अंत में खर्ग द्वीप से लिया गया था। ये खेप पिछले महीने अमेरिका द्वारा दी गई सीमित प्रतिबंध छूट के बाद आई हैं, जिसके तहत पहले से ही रास्ते में मौजूद ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति दी गई थी। कच्चे तेल का ये खेप लगभग सात साल में भारतीय तटों पर पहुंचने वाली ईरानी कच्चे तेल की पहली खेप हैं। यह अमेरिका द्वारा पिछले महीने जारी की गई प्रतिबंधों में छूट (सैंक्शन्स वेवर) के बाद संभव हुआ है। इस एक महीने की छूट ने उस ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति दी जो पहले से ही रास्ते में था। इसका उद्देश्य ग्लोबल सप्लाई चेन में आई बाधाओं को कम करना और कीमतों को नियंत्रित करना था। हालांकि, पाकिस्थान में सप्ताह के अंत में शांति वार्ता विफल होने के बाद वाशिंगटन ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की घोषणा कर दी, जिसका उद्देश्य तेहरान के तेल निर्यात से होने वाली आय पर अंकुश लगाना है।

सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का आईपीओ 17 अप्रैल को खुलेगा, प्राइस बैंड 99—100 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) 17 अप्रैल को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 21 अप्रैल तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 99—100 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर 29 अप्रैल को सूचीबद्ध होंगे। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने सोमवार को बताया कि इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 99—100 रुपये प्रति शेयर तय है। कंपनी की योजना इस आईपीओ से 1,105 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के मुताबिक आईपीओ शेयरों का आवंटन 24 अप्रैल तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा, जबकि सिटियस ट्रांसनेट यूनिट 29 अप्रैल से स्टॉक एक्सचेंजों पर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध होंगी। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल, एम्बिट और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट आईपीओ के प्रबंधन के लिए लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है।

जेएएल के लिए वेदांता की याचिका पर एनसीएलएटी में सुनवाई टली

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह की उन याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी है, जिनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के लिए अडाणी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज की बोली के चयन को चुनौती दी गई थी। दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण ने वेदांता लिमिटेड की दो अपीलों पर सुनवाई कर रही बेंच की बनावट में बदलाव की वजह से यह सुनवाई टाल दी है। यह बदलाव बेंच के किसी सदस्य के मौजूद न होने की वजह से किया गया है। एनसीएलएटी अगली सुनवाई की तारीख जल्द ही तय करेगा। दरअसल ये पूरा विवाद जेपी एसोसिएट्स की दिवाला प्रक्रिया से जुड़ा है। इलाहाबाद स्थित राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 17 मार्च को एक आदेश पारित करते हुए जेएएल के अधिग्रहण के लिए अडाणी

एंटरप्राइजेज लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी गई थी। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांता समूह ने एनसीएलटी के इस फैसले का विरोध करते हुए एनसीएलएटी के समक्ष दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। वेदांता समूह ने अपनी अपीलों के माध्यम से अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की बोली के चयन पर सवाल उठाए हैं। इस दिवाला प्रक्रिया का अंतिम निर्णय अभी कानूनी कसौटी पर है। एनसीएलएटी जल्द ही इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख निर्धारित करेगा। हालांकि, अडाणी एंटरप्राइजेज को अधिग्रहण की मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जेपी एसोसिएट्स की यह समाधान योजना वेदांता समूह की ओर से दायर अपीलों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी। बाजार और निवेशकों की नजर अब अपीलीय न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले पर टिकी हुई है। गौतम अडाणी की अडाणी समूह ने दिवालिया प्रक्रिया के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) का लगभग 14,535 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की बोली जीती है। ये सौदा सीमेंट, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट संपत्तियों के लिए है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत लगभग दो प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी थोड़ी और बढ़ी।

हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे दोनों सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। इस लिवाली के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में बहुत अधिक सुधार नहीं हो सका है। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद

सेंसेक्स 1.65 प्रतिशत और निफ्टी 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एशियन पेंट्स, आयशर मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस और बजाज ऑटो के शेयर 4.01 प्रतिशत से लेकर 3.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, सन फार्मास्युटिकल्स, इंफोसिस, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर 4.40 प्रतिशत से लेकर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,793 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 508 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,285 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली : घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने और चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना

आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

आज से 6 महीने की लॉक इन से फ्री हुए 5 कंपनियों के 509.58 करोड़ शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

बजाज हाउसिंग फाइनेंस और टाटा कैपिटल समेत पांच कंपनियां के शेयरों का छह महीने का लॉक इन पीरियड आज खत्म हो गया। लॉक इन खत्म होने के बाद इन पांच कंपनियां के कुल 509.58 करोड़ शेयर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के अनुसार इन शेयरों की कीमत लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपये है। इनमें सबसे अधिक 285.80 करोड़ शेयर टाटा कैपिटल के हैं। टाटा कैपिटल कंपनी के शेयरों का छह महीने का लॉक-इन आज खत्म हो गया। लॉक इन खत्म हो जाने से आज से कंपनी के लगभग 285.80 करोड़ शेयर

ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गए हैं। आज ट्रेडिंग के लिए फ्री हुए शेयर कंपनी की कुल इक्विटी के 67 प्रतिशत के बराबर हैं। आज फ्री हुए इन शेयरों की कुल वैल्यू शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से 93,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसी तरह बजाज हाउसिंग फाइनेंस के कुल इक्विटी का 25 प्रतिशत आज से ट्रेडिंग के लिए फ्री हो गया। इस तरह छह महीने से लॉक इन में पड़े कंपनी के कुल 210 करोड़ शेयरों में आज से ट्रेडिंग शुरू हो गई है।

शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के अनुसार इन शेयरों की वैल्यू लगभग 17,976 करोड़ रुपये है। इसके अलावा छह महीने से लॉक इन में पड़े वी वर्क इंडिया के 5.99 करोड़ शेयर भी आज से ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो गए हैं। लॉक इन से फ्री होने वाले ये शेयर कंपनी की कुल इक्विटी का 45 प्रतिशत हैं। शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइस के हिसाब से आज ट्रेडिंग के लिए फ्री हुए शेयर की वैल्यू लगभग 2,814 करोड़ रुपये है।

तय तारीख से पहले रिलीज होगी है जवानी तो इश्क होना है?

22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी वरुण-मृणाल की फिल्म

व वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की तिकड़ी है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएगी. ये फिल्म इस साल जून में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, हालांकि,लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक अनुसार, फिल्म मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज की तारीख को पहले कर दिया है यानी ये अब तय समय से पहले सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है. चलिए यहां जानते हैं है जवानी तो इश्क होना है में कब बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती है. रिपोर्ट के मुताबिक, है जवानी तो इश्क होना है लगभग पूरी हो चुकी है, इसलिए मेकर्स इसे अब जल्दी रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. यानी मेकर्स इसे तय तारीख जून में नहीं बल्कि उससे पहले रिलीज करने के मूड में हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक मई में इसकी रिलीज निर्माताओं के लिए फायदेमंद साबित होगी. रिपोर्ट में कहा गया है, फिल्म निर्माता 12 जून के बजाय 22 मई को फिल्म रिलीज करने पर सीरियसली सोच रहे हैं. उन्हें एहसास हुआ है कि फिल्म लगभग तैयार है, इसलिए वे रिलीज को तीन हफ्ते पहले कर सकते हैं. रिपोर्ट में आगे कहा गया है, इसके अलावा, मई के दूसरे पखवाड़े में कंप्टीशन कम है और गर्मियों की छुट्टियां भी चल रही होंगी. यह फिल्म के लिए यंग और फैमिली ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए परफेक्ट टाइम होगा. रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि निर्माताओं ने अभी तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है. फैसला लेने के बाद, वे फिल्म की नई रिलीज डेट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर सकते हैं. है जवानी तो इश्क होना है पहले 5 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी. हालांकि, यश की फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के साथ क्लैश से बचने के लिए निर्माताओं ने इसे 12 जून तक पोस्टपोन्ड कर जिया था. वरुण धवन स्टारर यह फिल्म इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा से भी मुकाबला करती, क्योंकि यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. लेकिन अब रिपोर्ट के मुताबिक इसे प्री पोन्ड किया जा सकता है.

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया। नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया। वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं। इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं? नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढ़ना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म चिरुथा से करियर शुरू किया और बाद में क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह इल्लिगल जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

नई रिलीज डकैत के आगे भी धुरंधर 2 ने काटा गदर, ये तगड़ा रिकॉर्ड भी बनाया

र रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के तीन हफ्ते में धमाकेदार परफॉर्म किया है. हालांकि अब चौथे हफ्ते में एंट्री करने के बाद इसकी कमाई में गिरावट भी दर्ज की जा रही है बावजूद इसके ये फिल्म बॉक्स ऑफिस से अपनी पकड़ ढीली करने को तैयार नहीं है. यहां तक कि डकैत जैसी नई फिल्म के आने के बावजूद इसकी रफ्तार बरकरार है. अगर 23वें दिन के कलेक्शन की बात करें तो कम से कम अदिवी शेष रणवीर सिंह की चमक फीकी नहीं कर पाए हैं. इसी के साथ चलिए यहां धुरंधर 2 के रिलीज के 23वें दिन यानी चौथे शुक्रवार की कमाई के आंकडे जान लेते हैं. धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 19 मार्च को रिलीज होने के बाद से ऐसा गदर मचाया कि देखते ही देखते इसने बॉलीवुड की हर फिल्म को पीछे छोड़ दिया और इतना कलेक्शन कर डाला कि हर किसी के होश उड़ गए. यहां तक कि इसने पुष्पा 2 को छोड़कर सारी पैन इंडिया फिल्मों को भी धूल चटा दी है. हालांकि अब चौथे हफ्ते में एंट्री करने के बाद इसकी कमाई को झटका लगा है लेकिन फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ ढीली करने को तैयार नहीं है. यहां तक कि डकैत के आगे भी इसने ठीक कमाई की है.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो धुरंधर 2 ने रिलीज के पहले हफ्ते में 674.17 करोड़ और दूसरे वीक में 263.65 और तीसरे हफ्ते में 110.60 करोड़ कमाए. वहीं रिलीज के चौथे शुक्रवार यानी 23वें दिन इस फिल्म ने 6.70 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ धुरंधर 2 की 23 दिनों की भारत में नेट कमाई 1055.12 करोड़ रुपये हो गई है. धुरंधर 2 की कमाई में बेशक 23वें दिन भारी गिरावट देखी गई लेकिन इसने चौथे शुक्रवार को बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है. दरअसल ये फिल्म 1050 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. इसी के साथ ये फिल्म इस आंकड़े को छूने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई है. धुरंधर 2 की कमाई हर दिन घट रही है. रिलीज के 23वें दिन तो इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया. वहीं इसके प्रीक्वल यानी धुरंधर की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के 23वें दिन भी 20.50 करोड़ कमाए थे. यानी धुरंधर 2 बेशक कुल कमाई के मामले में धुरंधर से आगे रही है लेकिन डे वाइज कलेक्शन के मामले में ये अपनी प्रीक्वल से पिछड़ चुकी है. अब देखने वाली बात होगी कि चौथे वीकेंड पर ये फिल्म कैसा कलेक्शन कर पाती है. क्योंकि अब इसे बॉक्स ऑफिस पर नई रिलीज डकैत से भी टक्कर मिल रही है.

रिलेशनशिप में आने के सवाल पर शुभांगी अत्रे ने शेयर की भावनाएं, कहा, अब पका घड़ा हो चुकी हैं

छो छोटे पर्दे पर आने वाले सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं की शुभांगी अत्रे टीवी का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने तकरीबन 10 साल तक सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं से जुड़ी बातें कीं। उन्होंने रिलेशनशिप में आने के सवाल पर भी खुलकर बात की। अभिनेत्री ने कहा, जिंदगी कई चैप्टर के साथ आती है, और इसमें कुछ लोग जाते हैं और कई लोग आकर चले जाते हैं। 20 की उम्र में ऊर्जा ज्यादा होती है, लेकिन सही और गलत की पहचान नहीं होती, जबकि बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि आप स्वीकार करना सीख जाते हैं। आपको पता होता है कि जो हो रहा है, वो ठीक ही होगा और इसका कोई न कोई कारण होगा और शिकायतें भी कम हो जाती हैं। अभिनेत्री की बेटी यूएस में पढ़ाई कर रही हैं और उससे दूरी बर्दाश्त करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। मां और बेटी के रिश्ते पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, बेटी यूएस में पढ़ रही है और टाइम जोन का इतना फर्क है कि कभी काफी लंबा समय हो जाता है बिना बात किए। मुझे लगता है कि पढ़ाई करना सबसे ज्यादा जरूरी है, जैसे मैं इंदौर से मुंबई आई अपने सपनों को पूरा करने के लिए, वैसे ही अपनी बेटी को उसका सपना पूरा करने के लिए यूएस भेजा है। हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को उड़ने का हौसला दें और आज के समय में हर महिला का सशक्त होना बहुत जरूरी है।

शुभांगी अत्रे सिंगल हैं और फिलहाल किसी तरह के रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका खुद का अनुभव कहता है कि पति-पत्नी से ज्यादा उन्हें दोस्ती का रिश्ता पसंद है। कभी-कभार बहुत अकेला लगता है, खासकर किसी परेशानी के समय में, लेकिन अब इस उम्र के साथ चीजों से डील करना भी आ गया है। इस उम्र में मुझे लगता है कि आप पका घड़ा बन जाते हैं, जिसे किसी रिश्ते में ढालना मुश्किल होता है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए वो पति-पत्नी ज्यादा अच्छे हैं, जो दोस्त हैं। वो रिश्ता खुलकर जीने वाला होता है, न कि डरने वाला। अगर मैं किसी रिश्ते में आई भी तो पहले दोस्ती का रिश्ता बनाऊंगी। मुझे नहीं लगता है कि मुझे किसी भी फैसले को लेकर कभी रिग्रेट हुआ है। मेरा मानना है कि जिंदगी में कोई भी आता है, वो आपको कुछ सिखाने के लिए आता है। मेरी शादी भी बहुत जल्दी हो गई थी, लेकिन समय के साथ हर किसी की भावनाएं बदल जाती हैं, तो मुझे कुछ चीजों की याद आती हैं, लेकिन किसी को लेकर पछतावा नहीं है।

रोते हुए बच्चे को शांत करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, जल्द मिलेगा आराम

बच्चों का रोना एक आम बात है, लेकिन जब बच्चा लगातार रोए तो माता-पिता के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बच्चे का रोना उसके असहज होने या किसी परेशानी के कारण हो सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चे को शांत कर सकते हैं और उसे आराम दे सकते हैं। इन तरीकों को अपनाने से आपका बच्चा जल्दी शांत होगा और वह खुश रहेगा।

गोद में उठाकर चलें : बच्चे को गोद में उठाकर चलना एक पुराना और असरदार तरीका है। इस दौरान आप धीरे-धीरे गुनगुनाते हुए या लोरी गाकर बच्चे को सुकून पहुंचा सकते हैं। इससे बच्चे को महसूस होता है कि वह सुरक्षित है और उसका ध्यान भटक जाता है। आप उसे हल्के-हल्के झुलाते हुए भी चल सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता है।

झूला झूलाएं : झूला झूलाना बच्चों के लिए बहुत आनंददायक होता है। अगर आपके पास झूला हो तो उसे जरूर झुलाएं। अगर नहीं है तो आप किसी आरामदायक बिस्तर पर बच्चे को धीरे-धीरे झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुकून मिलता है और वह जल्दी शांत हो जाता है। इसके अलावा आप उसे हल्के-हल्के थपथपाते हुए भी झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुरक्षा का अहसास होता है और वह जल्दी शांत हो जाता।

गुनगुनाएं या लोरी सुनाएं : गुनगुनाना या लोरी सुनाना बच्चों को बहुत पसंद होता है। आप अपने पसंदीदा गीत गुनगुनाते हुए या किसी प्यारी सी लोरी गाकर बच्चे को सुकून दे सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। आप अपने आवाज में नर्मता और प्यार भरे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं ताकि बच्चा जल्दी शांत हो जाए। यह तरीका न केवल प्रभावी है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

हल्की मालिश करें : बच्चे की हल्की मालिश करना उसके लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग कर सकते हैं ताकि उसकी त्वचा को पोषण मिले और वह आराम महसूस करे। मालिश करते समय बच्चे को धीरे-धीरे थपथपाएं ताकि उसे सुकून मिले। इससे उसका मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। यह तरीका न केवल असरदार है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

शांत जगह पर ले जाएं : अगर बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो तो उसे किसी शांत जगह पर ले जाएं जैसे बगीचे या बालकनी आदि। वहां ताजगी भरी हवा मिलेगी जिससे उसका मनोबल बढ़ेगा और वह जल्दी शांत हो जाएगा। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बच्चे को आसानी से शांत कर सकते हैं। याद रखें कि हर बच्चा अलग होता है इसलिए आपको यह देखना होगा कि कौन सा तरीका आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा काम करता है।

क्या रोजाना स्ट्रेचिंग करने से कम हो सकती है चोट लगने की संभावना? जानिए सच्चाई

रोजाना स्ट्रेचिंग करने की आदत को स्वस्थ जीवनशैली का एक अहम हिस्सा माना जाता है। कई लोग मानते हैं कि इससे शरीर का लचीलापन बढ़ता है और चोट लगने की संभावना कम होती है। हालांकि, क्या सच में रोजाना स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना कम हो जाती है? इस लेख में हम इसी सवाल का जवाब जानेंगे और समझेंगे कि स्ट्रेचिंग का शरीर पर क्या असर पड़ता है।

स्ट्रेचिंग और लचीलापन

स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों में खिंचाव की क्षमता बढ़ती है, जिससे वे बेहतर तरीके से काम कर सकती हैं। लचीली मांसपेशियां चोट लगने की संभावना को कम कर सकती हैं, क्योंकि वे आसानी से खिंचती और सिकुड़ती हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि रोजाना स्ट्रेचिंग करने से ही लचीलापन बढ़े। सही तरीके से स्ट्रेचिंग करना भी उतना ही जरूरी है। अगर आप गलत तरीके से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे उल्टा फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है।

वार्म-अप का महत्व

किसी भी शारीरिक गतिविधि से पहले शरीर को तैयार करना बहुत जरूरी होता है। इससे शरीर तैयार हो जाता है और मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं, जिससे चोट लगने का खतरा कम होता है। अगर आप किसी एक्सरसाइज या खेल से पहले अच्छी तरह शरीर को तैयार नहीं करेंगे तो सीधे स्ट्रेचिंग करने से शरीर पर दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा शरीर को तैयार करने को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सही तरीका अपनाएं

स्ट्रेचिंग करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी होता है। गलत तरीके से की गई स्ट्रेचिंग से भी चोट लग सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आप जल्दी-जल्दी या जोर-जोर से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे मांसपेशियां फट सकती हैं या खिंचाव आ सकता है। इसके अलावा गलत दिशा में खिंचाव लेने से भी चोट लग सकती है। इसलिए, हमेशा धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक स्ट्रेचिंग करें, ताकि किसी तरह का नुकसान न हो।

नियमित अभ्यास का महत्व

रोजाना स्ट्रेचिंग करने से फायदा तभी मिलता है, जब इसे सही तरीके से किया जाए। अगर आप नियमित रूप से स्ट्रेचिंग करते हैं तो इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें खिंचाव कम होता है। इसके अलावा नियमित अभ्यास से रक्त संचार भी बेहतर होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है और चोट लगने की संभावना कम होती है।

Questions over FIR delay in nursing home scandal

DM: 'Stern action after probe report'

By Sagar Suraj

"If the doctor is indeed running clinics without proper qualifications, we will question the authorities on the inordinate delay in filing the FIR," he said. "Wait till the thorough inquiry is complete," DM Saurabh Jorwal

MOTIHARI : The scandal at Pakadiyadyal's Pramila Health Care Centre has raised serious questions about administrative efficiency and public health oversight in East Champaran Despite a doctor fleeing mid-surgery, leaving a patient unattended, no FIR has been filed yet, fuelling public outrage. East Champaran District Magistrate Saurabh Jorwal assured stern action against the nursing home operator once the investigation report from the local Primary Health Centre in-charge is received. "If the doctor is indeed running clinics without proper qualifications, we will question the authorities on the inordinate delay in filing the FIR," he said. "Wait till the thorough inquiry is complete," the DM added Pakadiyadyal Sub-Divisional Officer Mangla Kumari stated that the inquiry report is yet to be received. "The inquiring doctor has asked the operator to submit required documents. Necessary instructions have been issued in this regard," she said. According to details, BDO Swarna Varsha inspected the centre on SDO's orders and found a woman patient abandoned during an abdominal surgery, with the doctor having fled. The facility was immediately sealed, and the patient, in critical condition, was referred to Motihari with help from sub-divisional hospital doctors. Locals have slammed the delay in FIR registration as administrative negligence. Operator Raju Kumar stands accused of running the centre—and a private clinic in Pachpakri for three years—without qualifications. Demands for his immediate arrest are growing. Questions are also being raised about how such illegal facilities operate unchecked. Residents have urged strict legal action against the operator and erring officials to prevent recurrence. While the administration has promised a probe, the public awaits concrete action, not just assurances.

Asha Bhosle passes away:

Haan, yahi kahenge hum sada ki dil abhi nahin bhara

New Delhi, Agency: Asha Bhosle, whose voice foregrounded the rebellious notes of desire and abandon in Hindi film music at a time when such attributes were frowned upon in cinema and society, who overcame the looming shadow of her peerless sister Lata Mangeshkar to become the empress of a versatile music universe, and whose voice is sub-consciously part of every Indian's emotional archive, passed away on Sunday. She was 92.

Asha tai, as she was fondly called, was admitted to a Mumbai hospital on Saturday following exhaustion and chest infection.

A Dadasaheb Phalke recipient, her career spanned nearly eight decades and more than 11,000 songs; her best rendered under the baton of OP Nayyar and RD Burman.

lRollicking duets (especially with Kishore Kumar), bhajans, ghazals, qawwalis, discos, Indi-pop, Bhosle didn't just sing for every possible genre, she owned them all, enthralling Gen Now and Gen Nehru alike. "All singers are actors. We just act with our voices," she once said.

Her voice was an ideological antonym of her sister's. At its core, Lata's voice personified decorum and goodness, attributes tailor-made for decent leading ladies in the 1950s and 60s while Asha's embodied dissent created space for celluloid social outsiders such as cabaret dancers and gangster's girls. Nobody also adapted better to the changing trends.

And nobody defied age like her. It's scarcely believable that even in 2026, she collaborated with Gorillaz, a virtual British band. An era has ended.

'Deeply flawed': Sonia Gandhi slams women's quota bill, calls it 'assault on Constitution'

New Delhi, Agency: Congress Parliamentary Party chairperson Sonia Gandhi on Monday warned that the Centre's reported push on delimitation-not women's reservation-is the "real issue" behind the special Parliament session, calling it "extremely dangerous" and an "assault" on the Constitution.

In an article published in The Hindu, Congress Rajya Sabha MP argued that any exercise to increase the strength of the Lok Sabha must be "politically and not just arithmetically equitable", stressing that states which have performed better on population control must not be disadvantaged.

She also accused the government of rushing legislation during an ongoing election cycle in states like Tamil Nadu and West Bengal to "derive political advantage and place the Opposition on the defensive".

"There can be only one reason for the extraordinary hurry," she said, alleging it was to gain political advantage. She further accused the prime minister of being "economical with the truth."

Women's reservation 'not the issue', says Congress: Referring to the Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023, Sonia noted that Parliament had already unanimously passed the law in September 2023, linking women's reservation to a future Census and delimitation exercise under Article 334-A.

"The Opposition had not asked for this condition," she said, adding that Congress had pushed for implementation from the 2024 Lok Sabha elections itself.

She questioned the reported move to amend the provision to enable implementation from 2029, asking why the government was making a "U-turn" after 30 months. She also pointed out that Leader of Opposition in the Rajya Sabha Mallikarjun Kharge had demanded immediate implementation, which the government declined.

Leader of Opposition Rahul Gandhi echoed her concerns, stating that the risks of a "rushed delimitation" were central to the debate.

Sonia also highlighted that the law provides for "reservation within reservation" for SCs and STs, and noted that a similar demand for OBC women's reservation had been raised during the 2023 debate.

Before women's quota bill session PM Modi steps up direct outreach

New Delhi, Agency: PM Narendra Modi will address eminent personalities and women achievers from different sectors on Monday as he steps up his direct outreach to people to build support for bills proposing the implementation of women's quota in legislatures from 2029, amid critical voices from the opposition, especially over the likely delimitation exercise.

An official statement described the programme as "Nari Shakti Vandan Sammelan", similar to the women's quota law passed in 2023 named 'Nari Shakti Vandan Adhiniyam'.

The bills, which Parliament is expected to take up on April 16 during a special sitting, propose to fix the implementation of the law, which provides for reservation of one-third of seats for women in Lok Sabha and assemblies, from the 2029 national elections. "The programme will witness participation of eminent personalities and women achievers from diverse fields. It will bring together representatives from different sectors such as govt, academia, science, sports, entrepreneurship, media, social work and culture," the statement said.

With a united opposition in a position to deny govt the two-third majority needed for the passage of the constitutional amendment bill, especially in Lok Sabha, Modi has turned to mobilising public support to raise political cost for his rivals in case they turn against the move. He has spoken about the women's quota bill in his recent political rallies as well.

Shivraj Singh Chouhan named observer, BJP starts process to form Bihar govt

New Delhi, Agency: With Nitish Kumar tipped to quit as Bihar chief minister on Apr 14 after chairing his last cabinet meeting, the process for the first BJP-led govt to take over in Bihar kicked in on Sunday as Union minister Shivraj Singh Chouhan was named the party's central observer for election of the leader of its Bihar legislature party. There are indications that Samrat Choudhary is the frontrunner for the post of next chief minister.

Chouhan said he will be in Patna on Apr 14 as BJP lawmakers elect their leader, who will then be chosen as NDA legislature party leader to succeed Nitish. Sources said that the oathtaking ceremony, likely on Apr 15, may be a simple affair, involving a few members. Nitish's son Nishant is being seen as JDU's choice for deputy CM as the party looks to preserve its founder's political legacy and enthuse its cadres.

With BJP known for keeping its cards close to its chest, NDA circles are agog over its choice of Nitish's replacement. Yet, Samrat is being seen as the frontrunner for the investment his party has made in him since he joined it in 2018.

Report flags dependence

on fertiliser imports

New Delhi, Agency: The ongoing West Asia conflict has put India's heavy dependence on the import of fertilisers and raw materials under the spot, according to a report by Credit Rating Information Services of India Limited (CRISIL), warning that it could trigger concerns over rising costs and food security. The CRISIL India Outlook-2026 report titled 'Wading through Squally Waters' states over 40 percent imports from the region, gas-linked production constraints and supply risks are mounting. "The government is prioritising fertiliser allocation, but long-term solutions lie in diversification, domestic capacity expansion and green alternatives," it adds. The rating agency, CRISIL, highlights how the current geo-political situation is exposing deep structural vulnerabilities in the country's fertiliser sector, including heavy import dependence, fragile supply chains and strong energy linkages with serious implications for agriculture and food security.

It says the disruption in the region has not only affected finished fertiliser imports, but also the availability of essential raw materials such as liquefied natural gas (LNG), ammonia, sulphuric acid and rock phosphate. Fertilisers account for 31 percent of India's LNG consumption, making the sector one of the largest consumers of gas. Any disruption in LNG availability directly impacts domestic production capacity. Despite the government's intervention, including prioritised gas allocation to the fertiliser sector -- now raised to 95 per cent of previous con-

Many of you will be arrested

West Bengal CM Mamata warns TMC workers

Kolkata , Agency: Bengal chief minister Mamata Banerjee warned of "operations" starting Sunday night to arrest Trinamool workers ahead of assembly polls less than a fortnight away, urging them to be careful under an administration now under the EC.

Mamata vowed to resist BJP's attempt "to break Bengal through delimitation" that is slated to start following the Census this year. BJP, she said, is trying to "harass and intimidate" Bengal's voters, including her, because it "knows it will lose the elections".

"Many will be detained and arrested before the polls (as part of an election strategy). These operations will start (Sunday) tonight. Do not be intimidated... Remember, everything is under EC during this election - nothing is in our hands. Be vigilant for another 15-21 days; then we will see, we will fight, and we will win again... They (BJP) know they will lose the election. That is why they have changed everything here," the CM said at a rally in East Burdwan's Khandaghosh, alluding to a wave of transfers in the state administration.

Flagging her opposition to a delimitation bill, which the Centre is likely to introduce in Lok Sabha this month, Mamata called it a design to "break Bengal into three parts". "Then NRC will be implemented. People will be sent to detention camps. In Assam, out of 19 lakh people sent to detention camps, 13 lakh were Hindus and six lakh Muslims. We will never allow detention camps in Bengal," the CM said.

Mamata described SIR as "the biggest scam". PM Narendra Modi, she said, was voted to office for a third term by people on the 2024 rolls.

Tamil Nadu polls: Vijay rejects 'four-cornered' contest, says fight is between TVK and DMK

New Delhi, Agency: TVK chief Vijay on Sunday dismissed claims of a four-cornered contest in the Tamil Nadu assembly elections, asserting that the real battle is between his party and the ruling DMK, while outlining a governance model centred on technology and service delivery, PTI reported. \

Addressing a rally, Vijay said, "It is not 4-cornered or 40-cornered fight. There are only two sides here: One is TVK, the other is DMK. Do you want an anti-people Stalin government, or Vijay, who loves people? That's all this election is."

The actor-politician also undertook a bicycle ride at the venue as part of his outreach campaign. A similar exercise earlier in Karaikudi had turned chaotic, but arrangements in Kanyakumari ensured better crowd management.

Vijay unveiled a "21st-century good governance" vision, proposing India's first Ministry of Artificial Intelligence, along with plans for an AI City and a dedicated AI University, stating the sector could contribute USD 1.7 trillion to India by 2035.

He also proposed a "Tamil Nadu Citizen Privilege Card" to ensure doorstep delivery of welfare benefits without intermediaries. "This isn't a story like the ones told by Stalin sir; this is scientifically possible. Currently, the system is not 'good governance,' it is 'harassment'. Bribes don't just stop at the officer; a share goes to the minister. We will break this chain," he said. The TVK chief said a "Right to Service Act" would be enacted within six months of assuming office and announced a "Vettri Tamil Nadu" Super App to digitise public services such as ration cards and driving licences.

On the state's finances, Vijay alleged that Tamil Nadu's debt had crossed Rs 10.5 lakh crore, claiming that borrowings in the last five years exceeded those of the previous decades. "Every rupee spent on interest is a rupee stolen from your child's education and your family's healthcare," he said.

Trump orders Hormuz blockade as US-Iran marathon talks in Pak fail

New Delhi, Agency: The high-stakes negotiations between the US and Iran in Islamabad ended without a breakthrough, with US Vice-President JD Vance returning to Washington after over 24 hours of intense, Pakistan-mediated talks, even as Tehran underscored that deep-rooted "mistrust and suspicion" made a swift agreement unlikely.

Just hours after the failure of negotiations, US President Donald Trump announced that Washington would move to block all ships entering or leaving the strategically vital Strait of Hormuz, in what is being seen as a dramatic escalation which could have far-reaching global implications.

Declaring that the move would take effect "immediately," Trump said the US Navy would begin enforcing a sweeping maritime blockade, marking one of the most aggressive steps taken by Washington in the ongoing confrontation with Tehran. "The meeting went well and most points were agreed to, but the only point that really mattered, nuclear, was not. Effective immediately, the US Navy, the finest in the world, will begin the process of blockading any and all ships trying to enter or leave the Strait of Hormuz," Trump posted on Truth Social.

He also asserted that Iran remained unwilling to abandon its nuclear ambitions, delivering a blunt assessment of the failed Islamabad talks and signalling that Washington's core objective remained non-negotiable. In a strongly worded remarks following detailed briefings from Vance and senior envoys, Trump said despite prolonged negotiations, Tehran had refused to yield on what he described as the "single most important issue", its nuclear programme.

"The meeting began early in the morning and lasted throughout the night, close to 20 hours. I could go into great detail... but there is only one thing that matters -- Iran is unwilling to give up its nuclear ambitions," Trump said, adding that while several points of agreement were reached, they were ultimately inconsequential when weighed against the risks of a nuclear-armed Iran.

Earlier, addressing a press conference before departure from Islamabad, Vance acknowledged that while the discussions were "substantive", the two sides failed to bridge critical differences.

"We've had a number of substantive discussions with the Iranians. That's the good news. The bad news is that we have not reached an agreement, and I think that's bad news for Iran much more than it is bad news for the US," he said.

Vance stressed that Washington's core demand remained unchanged -- a long-term, verifiable assurance that Iran would neither pursue nuclear weapons nor retain the capacity to rapidly develop them. He added that although Iran's earlier enrichment infrastructure had been dismantled, concerns persisted over Tehran's long-term trajectory. "Do we see a fundamental commitment of will from the Iranians?" he asked, identifying what he described as the central question driving the negotiations. Despite the deadlock, Vance said the US had placed its "final and best offer" on the table, leaving room for Tehran to reconsider its position. On the Iranian side, officials struck a calibrated tone -- defiant yet open to continued engagement -- portraying the outcome as part of a longer diplomatic process rather than a collapse.